● वर्ष : 04 ● अंक : 257

● गाजियाबाद, गुरुवार 05 फरवरी 2026

● पृष्ठ-6 ● मूल्य : दो रूपये

● RNI No - UPHIN/2022/84480

E-mail: swastiksaharanews@gmail.com

www.swastiksahara.com

एक अच्छे चरित्र का निर्माण हजारों ठोकरें खाने के बाद ही होता है ”

नई दिल्ली, लखनऊ, नोएडा, मेरठ, हापुड़ और एनसीआर में सर्वाधिक प्रसारित

स्वास्तिक सहारा

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

‘सॉरी पापा, 50वाँ टास्क आखिरी था...’, गाजियाबाद की 3 बहनों ने नौवीं मंजिल से कूदकर की आत्महत्या

रहस्यमयी कोरियाई गेम ने निगलीं तीन मासूम जिंदगियाँ!

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। ‘सॉरी, पापा‘ - ये उन तीन बहनों के आखिरी शब्द थे, जिन्होंने उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में अपनी रिहायशी बिल्डिंग की नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। यह घटना बुधवार को सुबह करीब 2 बजे हुई। 12, 14 और 16 साल की तीन बहनों की आत्महत्या ने एक ऐसे कोरियाई गेमिंग ऐप पर ध्यान खींचा है, जिसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है और माना जा रहा है कि लड़कियां उसकी आदी थीं। लड़कियों के पिता ने इंडिया टुडे टीवी को बताया कि पुलिस अधिकारियों ने उन्हें बताया था कि लड़कियां एक टास्क-बेस्ड कोरियाई ऑनलाइन गेमिंग ऐप खेल रही थीं। पिता ने कहा, ‘अधिकारियों ने मुझे बताया कि कल आखिरी टास्क था।‘

बिल्डिंग के अंदर कमरे की दीवार पर कुछ लिखावट भी मिली है। नोट में रोने वाले इमोजी के साथ लिखा था, ‘इस डायरी में जो कुछ भी लिखा है, वह सच है, इसे अभी पढ़ो।‘ बहनों की पहचान निशिका (16), प्राची (14) और पाखी (12) के रूप में हुई है, उन्होंने अपने माता-पिता से माफी भी मांगी है। पीड़ितों के कमरे से एक नोट मिला, जिसमें एक रोने वाला इमोजी था, जिस पर लिखा था, ‘एक सच्ची कहानी। इस डायरी में जो कुछ भी लिखा है, वह सब पढ़ लो, क्योंकि यह सब सच है। अभी पढ़ो! मुझे सच में बहुत अफसोस है, सॉरी पापा,‘ सुसाइड नोट में रोने वाले इमोजी के साथ यह लिखा था।

नोट में लिखा था ‘सच्ची ज़िंदगी की कहानी। इस डायरी में जो कुछ भी लिखा है, वह सब पढ़ लो क्योंकि सब सच है। अभी पढ़ो। मुझे सच में बहुत अफसोस है, सॉरी पापा। इस बीच, दीवार पर लिखी लिखावट में लिखा था, ‘मैं बहुत, बहुत अकेली हूँ। मेरी ज़िंदगी बहुत, बहुत अकेली है।‘ पुलिस सूत्रों ने बताया कि वे इस मामले की कई एंगल से जांच कर रहे हैं, जिसमें बहनों की एक कोरियन ऑनलाइन गेमिंग ऐप की कथित लत भी शामिल है, जिसमें टास्क होते थे।

पुलिस ने बताया कि बहनें कोरियन कल्चर से प्रभावित थीं और ऐप पर काफी समय बिता रही थीं। उनके पिता, चेतन कुमार, ऐसे किसी ऐप के बारे में नहीं जानते थे। इंडिया टुडे टीवी से बात करते हुए और घटना से स्वाभाविक रूप से सदमे में दिखते हुए, उन्होंने कहा कि गेमिंग ऐप में 50 टास्क थे और कल आखिरी टास्क था। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी बेटियों के जिस ऐप की लत थी, उसके बारे में फोरेंसिक विशेषज्ञों से पता चला, जिन्हें घटना का पता चलने के बाद मौके पर बुलाया गया था।

यह घटना तब सामने आई जब सोसायटी के निवासियों ने जोर की आवाज सुनी। जल्द ही पुलिस को बुलाया गया, जिसने लड़कियों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। परिवार के फ्लैट की तलाशी के दौरान, पुलिस को सुसाइड नोट मिला, जिसे जांच के हिस्से के रूप में कब्जे में ले लिया गया है। घटना के तुरंत बाद कमरे की एक तस्वीर में परिवार की कई तस्वीरें एक पन्ने के नोट के साथ बिखरी हुई दिखाई दे रही थीं। पुलिस ने बताया कि वे परिवार के सदस्यों से पूछताछ कर रहे हैं और लड़कियों के मोबाइल फोन के साथ-साथ उनकी डिजिटल गतिविधियों की भी जांच कर रहे हैं। डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस निमिष पाटिल ने इंडिया टुडे को बताया कि लड़कियों के परिवार ने कुछ दिनों के लिए मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी और अब तक टास्क या गेम्स के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है।

उधमपुर में जैश की साजिश नाकाम, गुफा में छिपे दो आतंकी मारे गए

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। बुधवार को जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में सुरक्षा बलों और संदिग्ध आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। शुरूआती रिपोर्टों के अनुसार, सुरक्षा बलों द्वारा मजालता इलाके के चारों ओर घेरा कड़ा करने के दौरान दो पाकिस्तानी आतंकवादी मारे गए हैं। उनकी पहचान जब्बार और मावी के रूप में हुई है। घटनास्थल से भारी गोलीबारी की सूचना मिली है और अभियान अभी भी जारी है। उनके ठिकाने की सूचना मिलने के बाद, सुरक्षा बलों ने भागने के सभी रास्ते बंद करने के लिए पूरे इलाके को घेर लिया।

आतंकवादी एक गुफा में छिपे हुए पाए गए, जिसके बाद तुरंत और भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। सुरक्षा बलों ने दोनों आतंकवादियों के सटीक ठिकाने का पता लगाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया। उनकी स्थिति की पुष्टि होते ही, सुरक्षा कर्मियों ने रॉकेट लॉन्चर का इस्तेमाल करके उन्हें खत्म कर दिया।

मंगलवार शाम को आतंकवादियों ने अंधेरे का फायदा उठाकर भागने की कोशिश की, जिसके चलते गोलीबारी और विस्फोटों का एक नया दौर शुरू हो गया।

इसके बाद पैराट्रूपर्स और डॉग स्क्वाड समेत अतिरिक्त सुरक्षा बलों को घेराबंदी और कड़ी करने के लिए भेजा गया। सुरक्षा बलों ने ड्रोन की मदद से दोनों आतंकवादियों की सटीक लोकेशन का पता लगाया। उनकी लोकेशन की पुष्टि होते ही सुरक्षाकर्मियों ने रॉकेट लॉन्चर से उन्हें खत्म कर दिया।

आतंकवादियों के ठिकाने की सूचना मिलते ही सुरक्षा बलों ने भागने के सभी रास्ते बंद करने के लिए पूरे इलाके को घेर लिया। आतंकवादी एक गुफा में छिपे हुए पाए गए, जिसके बाद तुरंत ही भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। सुरक्षा बलों ने गुफा को खाली कराने और आगे किसी भी तरह के खतरे को रोकने के लिए पूरी सावधानी और सटीकता से अभियान चलाया। सुरक्षा बलों ने मारे गए आतंकवादियों से एक एम4 कार्बाइन और एक एके-47 राइफल बरामद की, जो इस अभियान की अहमियत को दशार्ती है। हथियारों और गोला-बारूद की बरामदगी आतंकवादी नेटवर्क के लिए एक बड़ा झटका है, और सुरक्षा बल यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि इलाके में आगे कोई भी खतरा न रहे।

वोटर लिस्ट विवाद पर सीजेआई का पश्चिम बंगाल को आश्वासन

हर समस्या का समाधान, कोई वंचित नहीं रहेगा

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित एक भावनात्मक चुनौती पर सुनवाई की। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने स्वयं पीठ को संबोधित करते हुए चुनाव से पहले बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम गलत तरीके से हटाए जाने का आरोप लगाया।

मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने पश्चिम बंगाल राज्य द्वारा दायर एक याचिका सहित कई याचिकाओं पर सुनवाई की, जिनमें कथित अनियमितताओं, समय की कमी और एसआईआर प्रक्रिया के संचालन के तरीके पर चिंता व्यक्त की गई थी। न्यायालय ने गौर किया कि पूरी प्रक्रिया एक सख्त समयसीमा के अंतर्गत आती है, जिसे पहले ही दस दिन बढ़ा दिया गया है और अब केवल चार दिन शेष हैं। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, ‘हम एक और सप्ताह का समय नहीं दे सकते,‘ और इस बात पर जोर दिया कि ‘हर समस्या का समाधान होता है ताकि कोई भी निर्दोष नागरिक वंचित न रह जाए। याचिकाकताओं की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने प्रक्रिया में गंभीर कठिनाइयों को उजागर किया। उन्होंने न्यायालय के समक्ष आंकड़े प्रस्तुत किए जिनसे पता चलता है कि 32 लाख मतदाताओं को 'अमान्य' के रूप में चिह्नित किया गया है, 1.36 करोड़ प्रविष्टियाँ, यानी लगभग 20% मतदाता, तार्किक विसंगति सूची के अंतर्गत चिह्नित हैं, और लगभग 63 लाख मामलों की सुनवाई अभी भी लंबित है।

कनॉट प्लेस में खूनी खेल: पानी माँगने पर डिलीवरी एजेंटों ने पीट-पीटकर बिजनेसमैन को मार डाला

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। राजधानी का सबसे व्यस्त इलाका कनॉट प्लेस (उढ) एक बार फिर सुर्खियों में है, लेकिन इस बार वजह कोई रौनक नहीं बल्कि एक बेरहम हत्या है। पूर्वी दिल्ली के 36 वर्षीय कारोबारी शिवम गुप्ता की इलाज के दौरान मौत हो गई, जिन पर 2 जनवरी की रात डिलीवरी बॉयज के एक गुट ने हेलमेट और लात-घूंसों से जानलेवा हमला किया था।

इस महीने की शुरूआत में कनॉट प्लेस में देर रात हुए झगड़े के दौरान डिलीवरी एजेंटों द्वारा बेरहमी से हमला किए जाने के बाद पूर्वी दिल्ली के एक 36 वर्षीय बिजनेसमैन की मौत हो गई, जिससे एक बार फिर राजधानी के सबसे व्यस्त कमर्शियल हब में रात के समय पब्लिक सेफ्टी को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। यह घटना 2 जनवरी को राजीव चौक मेट्रो स्टेशन के पास हुई, जहां पीड़ित शिवम गुप्ता एक दोस्त के साथ पार्टी में गए थे। पुलिस के मुताबिक, शिवम गुप्ता और डिलीवरी पार्टनर्स के एक ग्रुप के बीच तब झगड़ा शुरू हुआ जब उन्होंने उनसे पीने के लिए कुछ पानी मांगा। यह कहा-सुनी जल्द ही हिंसा में बदल गई। इस झड़प के दौरान, कथित तौर पर लगभग तीन लोगों ने उन पर हमला किया।

न्यूज एजेंसी ढळक के अनुसार, डिलीवरी राइडर्स ने पहले शिवम को हेलमेट से मारा, फिर बेरहमी से लात-घूंसे मारे।

वे उसे खून से लथपथ सड़क पर बेहोश छोड़कर चले गए। पुलिस को 3 जनवरी को सुबह करीब 1:30 बजे एक ढउफकॉल मिली, जिसमें बताया गया कि एक आदमी खून से लथपथ सड़क पर बेहोश पड़ा है। शिवम को पास के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों को उनके सिर में कई गंभीर चोटें और हेमाटोमा मिला। गंभीर हालत के कारण, वह बयान दर्ज नहीं करा पाए।

इस बीच, जब शिवम उस रात घर नहीं लौटे तो उनका परिवार चिंतित हो गया। उनसे संपर्क करने की बार-बार कोशिशें नाकाम रहीं।

चीन को जमीन, अमेरिका को बाजार! अखिलेश ने केंद्र की विदेश नीति पर उठाए गंभीर सवाल

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को केंद्र सरकार पर अमेरिका के उस दावे को लेकर तीखा प्रहार किया, जिसमें कहा गया था कि भारत कुछ अमेरिकी वस्तुओं पर टैरिफ घटाकर शून्य कर सकता है और अमेरिका से 500 अरब अमेरिकी डॉलर के ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, कृषि और कोयला उत्पाद खरीद सकता है। संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए अखिलेश यादव ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को 'ढील' करार दिया और आरोप लगाया कि अगर अमेरिकी डेयरी और कृषि उत्पाद भारत में आयात किए जाते हैं, तो 'सनातनियों' को अपने व्रत रखने में कठिनाई होगी। अखिलेश ने कहा कि अमेरिका के साथ यह समझौता 'समझौता' नहीं, बल्कि 'ढील' है। हमने अपना पूरा बाजार उन्हें सौंप दिया है। सनातनियों को सोचना होगा कि उनका व्रत 'सनातन' कैसे रहेगा। अगर डेयरी उत्पाद वहां से आते हैं, तो सनातनियों और भारतीयों का व्रत कैसे चलेगा? यह चिंता का विषय है। स्वदेशी के नारे लगाने वाले भाजपा के सहयोगी कहां हैं? देश इस समझौते के बारे में जानना चाहता है। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत भारतीय वस्तुओं पर शुल्क घटाकर 18 प्रतिशत करने से देश में राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया।

‘आत्मनिर्भर भारत’ की ऊंची उड़ान:

डीआरडीओ ने एसएफडीआर तकनीक से लैस मिसाईल का किया सफल परीक्षण

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने सॉलिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट (एसएफडीआर) तकनीक का सफल परीक्षण किया है, जिससे भारत उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल हो गया है जिनके पास सुपरसोनिक गति से लंबी दूरी की वायु-से-वायु मिसाइलों के विकास के लिए आवश्यक तकनीक है।

एसएफडीआर आधारित प्रणोदन प्रणाली मिसाइल को सुपरसोनिक गति से बहुत लंबी दूरी पर हवाई खतरों को रोकने में सक्षम बनाती है। रक्षा मंत्रालय (एमओडी) के एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, ‘डीआरडीओ ने 3 फरवरी को सुबह लगभग 10:45 बजे ओडिशा तट से दूर चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) से एसएफडीआर तकनीक का सफल प्रदर्शन किया।

एसएफडीआर को हैदराबाद स्थित रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल) ने हैदराबाद स्थित अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं जैसे अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई), हैदराबाद और उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल), पुणे के सहयोग से विकसित किया है। नोजल-रहित बूस्टर, एसएफडीआर मोटर और ईंधन प्रवाह नियंत्रक सहित सभी उप-प्रणालियों ने वांछित मैक संख्या (ध्वनि की गति के गुणक) तक ग्राउंड बूस्टर मोटर द्वारा प्रारंभिक प्रक्षेपण के बाद अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन किया।

बंगाल की खाड़ी के तट पर चांदीपुर स्थित आईटीआर द्वारा तैनात कई ट्रैकिंग उपकरणों द्वारा प्राप्त उड़ान डेटा से प्रणाली के प्रदर्शन की पुष्टि हुई। प्रक्षेपण की निगरानी डीआरडीएल, एचईएमआरएल, आरसीआई और आईटीआर सहित डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं के वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा की गई।

नोएडा के पोस्टमार्टम हाउस में इंसानियत शर्मसार

पैसे न देने पर बिना ढंके नग्न ही दे दिया शव...

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

गौतमबुद्धनगर। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर (नोएडा) से मानवता को शर्मसार करने वाला एक मामला सामने आया है। सेक्टर 94 स्थित पोस्टमार्टम हाउस (मुर्दाघर) का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। वीडियो में एक परिवार अपने परिजन के शव को खुद कपड़े में लपेटता नजर आ रहा है, क्योंकि कथित तौर पर वहां के कर्मचारियों ने उनकी मदद करने से इनकार कर दिया था।

गौतम बुद्ध नगर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) ने सोशल मीडिया पर प्रसारित उस वीडियो के बाद जांच के आदेश दिए हैं, जिसमें सेक्टर 94 स्थित मुर्दाघर में पोस्टमार्टम के बाद एक व्यक्ति के शव पर उसके परिजन कथित तौर पर खुद कपड़ा लपेटते दिख रहे हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वीडियो में एक व्यक्ति यह आरोप लगाते हुए सुनाई दे रहा है कि शवगृह के कर्मचारियों ने शव को ढकने के लिए कपड़ा देने से इनकार कर दिया, जिसके कारण परिवार को शव को स्वयं कपड़े में लपेटना पड़ा।

उसने यह भी दावा किया कि परिवार की सहायता के लिए कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था और उनसे पैसे मांगे गए। सूत्रों के अनुसार, मृतक की पहचान चिपियाना गांव के निवासी रचित के रूप में हुई है, जिसने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। सूत्रों के मुताबिक, शवगृह के कर्मचारियों ने परिवार वालों से एक निश्चित राशि मांगी और इनकार करने पर उन्हें शव को स्वयं कपड़े में लपेटने का इंतजाम करने को कहा गया। यहां तक कि उन्हें शव को ढकने के लिए कपड़ा भी नहीं दिया गया। इस वीडियो के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने आक्रोश व्यक्त किया। मामले का संज्ञान लेते हुए गौतम बुद्ध नगर के मुख्यमंत्री डॉ. नरेंद्र कुमार ने शवगृह के नोडल अधिकारी को घटना की विस्तृत जांच करने का निर्देश दिया। कुमार ने कहा कि इस मामले की जांच का आदेश दिया गया है तथा दोषी पाये पर संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ उपयुक्त कार्रवाई होगी।

पूर्व विधायक को ईडी ने किया गिरफ्तार

अलवर। राजस्थान में अलवर में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की क्षेत्रीय इकाई ने विधायक निधि के दुरुपयोग के मामले में बहरोड़ से निर्दलीय विधायक रह चुके बलजीत यादव को मंगलवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की दर्ज प्राथमिकी के आधार पर हुई है। ईडी इस प्राथमिकी के आधार पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच कर रही थी। ईडी ने उन्हें यहां शाहजहांपुर टोल प्लाजा पर तब पकड़ा जब वे दिल्ली जा रहे थे। प्लाजा पर चार-पांच गाड़ियों में प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी और कर्मचारी और सीआरपीएफ के जवान भी थे। श्री यादव को हिरासत में लेकर वे तुरंत ही जयपुर के लिए रवाना हो गए। सूत्रों ने बताया कि पूर्व विधायक श्री यादव पर आरोप है कि उनके विधायक कार्यकाल के दौरान अलवर जिले की 32 सरकारी विद्यालयों खेल सामग्री की आपूर्ति में विधायक निधि का दुरुपयोग किया गया।

मणिपुर में हटा राष्ट्रपति शासन, अब बीजेपी सरकार संभालेगी कमान

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने मंगलवार को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन को तत्काल प्रभाव से निरस्त करने की अधिसूचना जारी की। भारत के राजपत्र (असाधारण) में प्रकाशित एक 'घोषणा' के अनुसार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मणिपुर राज्य के संबंध में संविधान के अनुच्छेद 356(2) के तहत जारी की गई घोषणा को निरस्त कर दिया है। पिछली घोषणा 13 फरवरी, 2025 को जारी की गई थी। राष्ट्रपति द्वारा बुधवार (4 फरवरी, 2026) को हस्ताक्षरित नई घोषणा में कहा गया है कि मणिपुर में राष्ट्रपति शासन वापस ले लिया गया है। घोषणा में लिखा है कि संविधान के अनुच्छेद 356 के खंड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, द्रौपदी मुर्मू, भारत के राष्ट्रपति, उक्त अनुच्छेद के तहत 13 फरवरी, 2025 को मणिपुर राज्य के संबंध में मेरे द्वारा जारी की गई घोषणा को 4 फरवरी, 2026 से निरस्त करता/करती हूं। यह कदम भाजपा द्वारा मंगलवार को दो बार के विधायक युम्नाम खेमचंद सिंह को संघर्षग्रस्त मणिपुर में विधायक दल का नेता घोषित करने और उन्हें राज्य का अगला मुख्यमंत्री नामित करने के एक दिन बाद उठाया गया है। यह निर्णय भाजपा मुख्यालय में पार्टी के विधायकों की बैठक में लिया गया। शपथ ग्रहण समारोह मंगलवार को होगा। सिंह के दो उपमुख्यमंत्री होंगे, एक कुकी-जो समुदाय से और दूसरा नागा समुदाय से। कांगपोकपी विधायक नेमचा किपगेन को उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया गया है। गठबंधन सहयोगी नागा पीपुल्स फ्रंट द्वारा जल्द ही नागा उपमुख्यमंत्री के नाम की घोषणा किए जाने की उम्मीद है।

यशोदा मेडिसिटी ने विश्व कैंसर दिवस पर 'व्यापक कैंसर देखभाल में प्रगति' पर CME कार्यक्रम आयोजित

कार्यक्रम में रोगी-केंद्रित उन्नत कैंसर देखभाल और यशोदा हेल्थ कार्ड की शुरूआत को प्रमुखता दी गई

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। दिल्ली-एनसीआर के प्रमुख अस्पतालों में से एक, यशोदा मेडिसिटी ने विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर 'व्यापक कैंसर देखभाल में प्रगति' विषय पर कंटिन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कैंसर उपचार में बहु-विषयक, तकनीक-सक्षम और रोगी-केंद्रित कार्यप्रणाली के महत्व पर जोर दिया गया। साथ ही, शीघ्र निदान, व्यक्तिगत उपचार और बेहतर दीर्घकालिक परिणामों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। यह पहल यशोदा मेडिसिटी की उस विशिष्टता से समर्थित है, जिसके अंतर्गत दक्षिण-पूर्व एशिया में कैंसर देखभाल प्रौद्योगिकियों का पहला और सबसे उन्नत संयोजन उपलब्ध है, जो एक ही प्रणाली के अंतर्गत एकीकृत, सटीक और रोगी-केंद्रित उपचार को सक्षम बनाता है।

इस सत्र में यशोदा मेडिसिटी के वरिष्ठ विशेषज्ञ शामिल हुए, जिनमें डॉ. मनीष सिंघल, वाइस चेयरमैन, मेडिकल ऑन्कोलॉजी; डॉ. गगन सैनी, वाइस चेयरमैन एवं हेड, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी; प्रो. डॉ. राजिंदर कुमार, प्रिंसिपल डायरेक्टर एवं यूनिट हेड, न्यूरोसर्जरी; डॉ. आसिम रिजवी, प्रिंसिपल डायरेक्टर, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी एवं रोबोटिक सर्जरी; डॉ. सतिंदर कौर, सीनियर डायरेक्टर एवं हेड, गायनेकोलॉजिकल ऑन्कोलॉजी एवं रोबोटिक सर्जरी; डॉ. निवेदिता ढींगरा, डायरेक्टर एवं हेड,

हेमेटोलॉजी, हेमेटो-ऑन्कोलॉजी एवं बोन मैरो ट्रांसप्लांट; डॉ. अभिषेक यादव, डायरेक्टर, मेडिकल ऑन्कोलॉजी; तथा डॉ. निखिल टंडन, कंसल्टेंट, ऑर्थोपेडिक ऑन्कोलॉजी शामिल थे।

विशेषज्ञों ने कैंसर उपचार में उभरते रुझानों पर चर्चा की, जिसमें पर्सनलाइज्ड ऑन्कोलॉजी, प्रिसीजन रेडिएशन, उन्नत सर्जिकल एवं रोबोटिक तकनीकें तथा अन्य आधुनिक उपचार पद्धतियाँ शामिल हैं, जो उपचार की सटीकता, सुरक्षा और रोगी की शीघ्र रिकवरी को बेहतर बनाती हैं।

उन्होंने सॉलिड ट्यूमर, ब्लड कैंसर, ब्रेन ट्यूमर, महिलाओं से संबंधित कैंसर तथा दुर्लभ एवं जटिल कैंसरों के उपचार में समेकित देखभाल पथ के महत्व को भी रेखांकित किया। साथ ही समय पर रेफरल, मल्टीडिसिप्लिनरी ट्यूमर बोर्ड, तथा निदान से लेकर उपचार और सर्वाइवर्शिप तक की सतत देखभाल की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

इस सीएमई के दौरान यशोदा हेल्थ कार्ड का भी शुभारंभ किया गया। यह कार्ड मरीजों को रोकथाम, समय पर जांच और व्यक्तिगत उपचार योजना में सहायता प्रदान करता है और क्लिनिकल निर्णय-निर्माण में रोगियों को प्राथमिकता देने की यशोदा मेडिसिटी की प्रतिबद्धता को सशक्त रूप से दर्शाता है। डॉ. पी. एन. अरोड़ा, चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, यशोदा ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स ने कहा, 'विश्व कैंसर दिवस कैंसर के विरुद्ध संघर्ष में जागरूकता, शीघ्र पहचान, क्लिनिकल उत्कृष्टता और करुणामय, रोगी-प्रथम दृष्टिकोण के महत्व को सुदृढ़ करता है। इस सीएमई और यशोदा हेल्थ कार्ड के शुभारंभ के माध्यम से, हम उन्नत चिकित्सकीय प्रथाओं द्वारा समर्थित समग्र एवं सुलभ कैंसर देखभाल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दोहराते हैं।' डॉ. उपासना अरोड़ा, मैनेजिंग डायरेक्टर, यशोदा ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स ने कहा, 'कैंसर देखभाल तेजी से व्यक्तिगत और प्रिसीजन-आधारित उपचार की दिशा में विकसित हो रही है। ऐसे सीएमई के माध्यम से हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि चिकित्सक वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप बने रहें और वैज्ञानिक प्रगति को मरीजों के बेहतर सर्वाइवल परिणामों तथा जीवन की गुणवत्ता में परिवर्तित कर सकें।' इस कार्यक्रम के माध्यम से यशोदा मेडिसिटी समग्र कैंसर देखभाल में एक उत्कृष्ट केंद्र के रूप में अपनी भूमिका को और सुदृढ़ करती है तथा ज्ञान साझा करने और नवाचार को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को निरंतर आगे बढ़ाती है।

केंद्रीय बजट 2026-27 विकसित भारत की मजबूत आधारशिला: सतेन्द्र शिशौदिया

भाजपा कार्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता में बजट को बताया सुधार, सुशासन और समावेशी विकास का दस्तावेज

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में दिनांक 4 फरवरी को नेहरू नगर स्थित भाजपा कार्यालय पर केंद्रीय बजट वित्त वर्ष 2026-27 को लेकर एक भव्य प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया।

प्रेस वार्ता में भाजपा पश्चिम क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं मुख्य वक्ता सतेन्द्र शिशौदिया ने मीडिया को संबोधित करते हुए केंद्रीय बजट को 'विकसित भारत @2047 की दिशा में एक दूरदर्शी, सुधारवादी और जनकल्याणकारी बजट' बताया। मुख्य वक्ता श्री शिशौदिया ने कहा कि यह बजट कर्तव्य भवन से प्रस्तुत किया जाने वाला पहला बजट है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस स्पष्ट दृष्टिकोण को दर्शाता है, जिसमें दुविधा के स्थान पर निर्णय, शब्दाडंबर के स्थान पर सुधार और लोकलुभावन के स्थान पर जनकल्याण को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि यह बजट आत्मनिर्भर भारत को ध्रुवतारा मानते हुए संरचनात्मक सुधार, राजकोषीय अनुशासन, सतत पूंजी निवेश, रोजगार सृजन, कृषि उत्पादकता, युवाओं की शक्ति, महिलाओं के नेतृत्व और आधुनिक तकनीक आधारित सुशासन पर केंद्रित है। 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' के माध्यम से 350 से अधिक सुधारों को लागू कर सरकार ने डी-रेगुलेशन, अनुपालन भार में कमी और विश्वास आधारित शासन को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है। बैंकिंग सेक्टर की सुदृढ़

स्थिति, एनपीए में ऐतिहासिक सुधार, लगभग 7% की निरंतर आर्थिक वृद्धि, राजकोषीय घाटे को 4.3% तक लाना तथा ऋण-से-जीडीपी अनुपात में निरंतर कमी भारत की आर्थिक मजबूती का प्रमाण है। श्री शिशौदिया ने बताया कि बजट में मध्यम वर्ग को सशक्त करते हुए कर विवाद में कमी, सरल आयकर प्रणाली, शिक्षा व चिकित्सा हेतु टीसीएस में कटौती, जीवनरक्षक दवाओं पर शुल्क छूट तथा छोटे अपराधों के अपराधमुक्तिकरण जैसे ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। किसानों के लिए उच्च मूल्य फसलों, तिलहन आत्मनिर्भरता, पशुपालन, मत्स्य पालन और एग्री-एआई आधारित 'भारत-विस्तार' जैसे नवाचार कृषि आय बढ़ाने में मील का पत्थर सिद्ध होंगे। युवाओं के लिए कौशल विकास, शिक्षा-से-रोजगार की मजबूत कड़ी, टियर-2 व टियर-3 शहरों में विश्वविद्यालय नगर-समूह, डिजाइन, आतिथ्य, सेमीकंडक्टर और नई तकनीकों में निवेश भारत को वैश्विक नेतृत्व की ओर ले जाएगा। एमएसएमई के लिए ₹10,000 करोड़ का ग्रोथ फंड, तरलता समर्थन और भुगतान व्यवस्था में सुधार से छोटे उद्यमों को नई गति मिलेगी। मुख्य वक्ता श्री सतेन्द्र शिशौदिया ने उत्तर प्रदेश के लिए केंद्र सरकार के निरंतर सहयोग पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समन्वित नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज एक्सप्रेसवे, औद्योगिक गलियारों, सेमीकंडक्टर, डिफेंस कॉरिडोर, लॉजिस्टिक्स, निवेश और रोजगार का राष्ट्रीय केंद्र बन रहा है। बजट में आधारभूत संरचना, शहरी विकास, निर्यात, पर्यटन, जलमार्ग, रेल कॉरिडोर और कौशल विकास से उत्तर प्रदेश को दीर्घकालिक लाभ मिलेगा। इस अवसर पर भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की भावना को साकार करने वाला बजट है और यह देश के प्रत्येक वर्ग को नए अवसर प्रदान करता है। इस दौरान जिलाध्यक्ष चैन पाल सिंह, मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी, भाजपा महानगर उपाध्यक्ष अभियान संयोजक रनीता सिंह, महानगर मंत्री अभियान सह संयोजक गुंजन शर्मा, सह संयोजक राजू पंचाल, जिला संयोजक अमित चौधरी सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला विधिक सहायता की बैठक आयोजित

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद के भूतपूर्व सैनिकों/वीर नारियों एवं उनके आश्रितों के कल्याणार्थ आज दिनॉक-04-02-2026 को 'जिला विधिक सेवा प्राधिकरण 'शहीद मेजर आशाराम त्यागी (महावीर चक) सभागार में संजय सिंह, अपर जिला जज एवंम सचिव, 'जिला विधिक सेवा प्राधिकरण' गाजियाबाद की अध्यक्षता में जिला विधिक सहायता की बैठक आयोजित हुई।

बैठक में सर्वप्रथम जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी, गाजियाबाद कैप्टन (आई.एन.) राम प्रवेश सिंह ने बैठक में उपस्थित पूर्व सैनिको का सभा में आने का आभार व्यक्त किया तथा मुख्य कार्यो से अवगत कराया। उसके पश्चात संजय सिंह, अपर जिला जज गाजियाबाद द्वारा बैठक में उपस्थित सभी भूतपूर्व सैनिकों को सम्बोधित किया गया। 'विविधक सहायता केन्द्र' की बैठक में एड० सुमित अरोरा, एड०विचित्र, पी०एल०वी० जितेन्द्र मिश्रा मनजीत सिंह तथा जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय के पवन कुमार वरिष्ठ सहायक, विनोद कुमार, कनिष्ठ सहायक व श्रीमती कविता देवी, कनिष्ठ सहायक, श्रीमती रीतू सिंह, कनिष्ठ सहायक व निपुण पायला, कनिष्ठ सहायक व राकेश व पवन उपस्थित रहें।

सलाम नमस्ते ने विश्व कैंसर दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

नोएडा। स्मार्ट संस्था के संयुक्त तत्वावधान में सेहत सही लाभ कई श्रृंखला के अंतर्गत सलाम नमस्ते में कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। सेक्टर 62 स्थित संस्थान परिसर में कार्यक्रम के दौरान जिला तम्बाकू प्रकोष्ठ, गौतमबुद्ध नगर की प्रमुख डॉ. श्वेता खुराना ने अपने विचार व्यक्त किए। वहीं कार्यक्रम के दौरान कैंसर की रोकथाम, शीघ्र निदान तथा उपलब्ध उपचार विकल्पों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए डॉ. श्वेता खुराना ने कहा कि सही समय पर जांच, तम्बाकू से दूरी और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर कैंसर के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। सलाम नमस्ते की स्टेशन हेड बर्षा

छबारिया ने बताया कि हम फरवरी माह को कैंसर जागरूकता माह के रूप में मना रहे हैं। जिसमे सामुदायिक भागीदारी कार्यक्रम, जागरूकता रैली, शपथ, सामाजिक चर्चा तथा विशेष रेडियो प्रसारण आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही कैंसर चैंपियनों की प्रेरणादायक कहानियां भी साझा की जाएंगी, जिससे समाज में सकारात्मक सोच और उम्मीद का संदेश दिया जा सके। वही आज कार्यक्रम के दौरान युवाओं के साथ कैंसर जागरूकता हेतु शपथ भी दिलाई गयी।

जिलाधिकारी ने जनता दर्शन में अधिकारियों को दिए जन कल्याण एवं जनसुविधाएं प्रदान करने के निर्देश

जनता दर्शन में प्राप्त शिकायतों का शत-प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाएं: रविन्द्र कुमार माँदड़

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ द्वारा जनता दर्शन में जनसुनवाई की गयी। जिलाधिकारी द्वारा की जा रही जनसुनवाई में प्रार्थियों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। जन सुनवाई के दौरान नगर निगम, जीडीए, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग सहित अन्य विभागों से सम्बंधित प्रार्थना/शिकायती पत्र प्राप्त हुए। जिलाधिकारी द्वारा सभी प्रार्थियों की बातों को ध्यानपूर्वक सुना व समझा गया। उन्होने प्रार्थियों से जाना कि उनके द्वारा पूर्व में भी इस सम्बंध में कोई प्रार्थना

पत्र दिया गया था अथवा नहीं। उन्होने सभी प्रार्थियों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्या का पूर्ण गुणवत्ता के साथ समाधान कराया जायेगा। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में आयी शिकायतों को शत-प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाएं। उन्होने कहा कि स्थलीय निरीक्षण योग्य शिकायतों का स्थलीय निरीक्षण कर ही गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाएं, इसके साथ ही सभी शिकायतों के निस्तारण उपरान्त शिकायतकर्ता से उसका फीडबैक लेना भी सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि जन शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण समाधान हेतु अधिकारी सदैव तत्पर रहें। जिलाधिकारी द्वारा जनता के दर्शन के दौरान जन सुविधाओं के सम्बध में मीडिया बन्धुओं से भी वार्ता की गयी। इस दौरान एडीएम ई ज्योति मौर्या उपस्थित रहे।

योग, दर्शन और नेतृत्व विकास कोर्स का सफल आयोजन

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद भगत सिंह ईवनिंग कॉलेज ने विवेकानंद केंद्र दिल्ली के सहयोग से आयोजित 45-घंटे के लीडरशिप डेवलपमेंट सर्टिफिकेट कोर्स के अंतर्गत योग एवं दर्शन मॉड्यूल को सफलतापूर्वक संपन्न किया। इस कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के सेंटर फॉर होलिस्टिक डेवलपमेंट एवं प्रक्रम द स्पोर्ट्स सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. अरुण अत्री ने अपने उद्बोधन में विवेकानंद केंद्र के प्रयासों की सराहना करते हुए इसके योगदान की विशेष प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि केंद्र के मार्गदर्शन से छात्रों को अपनी शारीरिक एवं मानसिक क्षमताओं को पहचानने और विकसित करने का महत्वपूर्ण अवसर मिला। साथ ही उन्होंने आयोजकों एवं प्रतिभागियों को इस प्रकार के प्रयासों को निरंतर जारी रखने हेतु पूर्ण समर्थन और प्रोत्साहन प्रदान किया। विवेकानंद केंद्र, दिल्ली के उपप्रमुख डॉ. निखिल यादव ने अपने वक्तव्य में छात्रों को एक महान विचार का स्वप्न देखने, उसी को जीने तथा अपने संपूर्ण व्यक्तित्व में उसे आत्मसात करने का आ'वान किया। उन्होंने सशक्त चरित्र निर्माण के लिए ईमानदारी और जवाबदेही के महत्व पर भी विशेष बल दिया। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. अमित सोनी ने योग को केवल आसन और प्राणायाम तक सीमित न मानते हुए उसके व्यापक दार्शनिक अर्थ को स्पष्ट किया तथा छात्र के सर्वांगीण विकास में योग की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। कार्यक्रम के समापन दिवस पर लगभग 60 छात्रों एवं प्राध्यापकों द्वारा सामूहिक रूप से 108 सूर्य नमस्कारों के महायज्ञ का आयोजन किया गया।

भारतीय साहित्य पर फिल्म बनाने के लिए फिल्मकार फिर से आगे आयें: प्रदीप सरदाना

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

नई दिल्ली। साहित्य समाज का मन है तो सिनेमा समाज का चेहरा। साहित्य शब्दों की विधा है तो सिनेमा दृश्य और ध्वनि की। हमारी बहुत सी साहित्यिक कृतियों पर बेहद खूबसूरत, सफल और कालजयी फिल्में बनी हैं। लेकिन यह अत्यंत दुखद है कि अब हमारे अधिकांश फिल्मकार भारतीय साहित्य पर फिल्म न बनाकर विदेशी साहित्य पर फिल्म बना रहे हैं। यही कारण है कि हमारी फिल्मों से भारतीयता दूर होती जा रही है। यदि ऐसे ही चलता रहा तो हमारा साहित्य भी विश्वपटल पर आने की जगह पुस्तकों में सिमट कर रह जाएगा। उपरोक्त विचार वरिष्ठ पत्रकार, लेखक, कवि, विचारक और विख्यात फिल्म समीक्षक प्रदीप सरदाना ने 'साहित्य और सिनेमा, सामाजिक एवं सांस्कृतिक सन्दर्भ' में आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये। गुजरात और देश के प्रतिष्ठित 'सरदार पटेल विश्वविद्यालय, वल्लभ विद्यानगर, आणंद द्वारा आयोजित इस एक दिवसीय संगोष्ठी में देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के आचार्य, कई साहित्यकार और फिल्म

विद्वानों ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के आचार्य एवं हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. दिलीप मेहरा इस अविस्मरणीय आयोजन के संयोजक थे। संगोष्ठी का उद्घाटन करने के पश्चात श्री सरदाना ने कहा-'जब से सिनेमा का जन्म हुआ तभी से उसका सम्बन्ध साहित्य से है। भारत की पहली मूक फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' जहाँ पौराणिक साहित्य पर थी। वहाँ महाकवि कालिदास की कालजयी कृति 'अभिज्ञान शाकुंतलम' पर 1920 में ही 'शकुन्तला' फिल्म बन गयी थी। साथ ही 'रामायण' और 'महाभारत' के कथानक पर तो मूक युग से अब तक विभिन्न रूपों में अनेक फिल्में बनती आ रही हैं। साथ ही शरत चन्द्र, टैगोर, प्रेम चंद, रेणु, राजेन्द्र सिंह बेदी, आरके नारायण, कमलेश्वर, मन्नू भंडारी और चेतन भगत जैसे अनेक भारतीय साहित्यकारों की कृतियों पर असंख्य फिल्म बनी हैं। यूँ प्रेम चंद सहित कई साहित्यकारों को शिकायत रही कि फिल्मकार उनकी कृतियों की ह्त्या कर देते हैं।' श्री सरदाना ने कहा-'फिर यह भी कहा जाता है की साहित्य कृतियों पर बनी फिल्में सफल नहीं होतीं। लेकिन मेरा मानना है कि जब भी किसी साहित्यिक रचना पर किसी अच्छे निर्देशक ने अच्छी फिल्म बनायी है वह सफल हुई है। देवदास, आनंदमठ, काबुलीवाला, रजनीगंधा, उपहार, उमराव जान और श्री इडियट जैसी कितनी ही फिल्में इस बात का सशक्त उदाहरण हैं। इन फिल्मों के दर्शकों पर सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभाव कभी प्रत्यक्ष तो कभी अप्रत्यक्ष रूप से पड़ते रहे हैं। फिल्मकार विदेशी साहित्य पर भी फिल्म बनायें। लेकिन भारत कहानियों का देश है इसलिए अपने देश के साहित्य पर फिल्म बनाने के लिए फिल्मकार फिर से आगे आयें। तभी भारतीय कथा, संस्कृति और मूल्यों की परंपरा आगे बढ़ सकेगी।'' प्रदीप सरदाना के इस व्याख्यान का उपस्थित सभी विद्वानों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया।

साथ ही सरदार पटेल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. निरंजन भाई पटेल ने भी प्रदीप सरदाना को सरदार पटेल का विशेष चित्र देकर सम्मानित किया। समारोह में पुनीत बिसारिया, भरत मेहता, बलिराम धापसे, विनोद विश्वकर्मा, महेंद्र प्रजापति, ईश्वर आहिर, प्रदीप विश्वकर्मा, पंकज लोचन सहाय, बापूराव देसाई और चिराग परमार सहित कुछ और विद्वानों ने भी अपने वक्तव्य दिए। डॉ. दिलीप मेहरा ने कहा-'कुलपति प्रो. निरंजनभाई पटेल के नेतृत्व में सरदार पटेल विश्वविद्यालय सदा सार्थक और श्रेष्ठ आयोजन का पक्षधर रहा है। हमें प्रसन्नता है कि हमारा यह आयोजन भी बेहद सफल रहा।'

पोस्टमार्टम के बाद कफन के लिए मांगे तीन हजार, नग्नावस्था में थमाया शव

- भाकियू इंडिया सीएमओ ऑफिस का करेगा घेराव एवं विरोध प्रदर्शन
- राष्ट्रीय प्रवक्ता संजीव राणा द्वारा सीएमओ नोएडा से बातचीत की

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

नोएडा। उत्तर प्रदेश के शो विंडो कहे जाने वाले हाइटेक सिटी नोएडा में मानवता को शर्मसार करने वाली एक घटना हुई है, जिसमें नोएडा की पोस्टमार्टम हाउस में शव का पोस्टमार्टम करने के बाद शव को बिना ढके हुए नग्नावस्था में ही परिजनों को थमा दिया गया।

भारतीय किसान यूनियन इंडिया इस घटना का विरोध करता है एवं संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही की मांग करता है। उक्त घटना के संबंध में आज शाम लगभग 6 बजे भारतीय किसान यूनियन इंडिया के राष्ट्रीय प्रवक्ता संजीव राणा द्वारा सीएमओ नोएडा से बातचीत की गई एवं दूरभाष पर सीएमओ द्वारा टालमटोल की रणनीति अपनाते हुए यह कहा गया की जांच करवाई जा रही है। जांच

के नाम पर घटना को छुपाने का कार्य किया जा रहा है एवं संबंधित भ्रष्ट अधिकारियों को बचाने के लिए लीपा पोती की जा रही है।

भारतीय किसान यूनियन इंडिया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनूप गुर्जर प्रशासन से यह मांग करते हैं की तुरंत संबंधित दोषी एवं भ्रष्ट अधिकारियों को निलंबित किया जाए एवं इस बात की पुख्ता इंतजाम किए जाएं कि भविष्य में इस तरह की कोई भी घटना की पुनरावृत्ति ना हो। यदि नोएडा के सीएमओ द्वारा इस संबंध में तुरंत ही कोई कार्यवाही नहीं की गई तो भारतीय किसान यूनियन इंडिया सीएमओ ऑफिस का घेराव करेगा एवं धरना प्रदर्शन करेगा।

आईपीए की शिकायत का असर

बाल आयोग ने जिलाधिकारी को दिए 'दिव्यांग पार्क' को वोटिंग पार्क बनाने की जांच के आदेश

गाजियाबाद (स्वास्तिक सहारा)। इंडियन पेरेंट्स एसोसिएशन की शिकायत पर राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने इंदिरापुरम स्थित उत्तर प्रदेश के पहले समर्पित दिव्यांग पार्क को ध्वस्त कर वोटिंग पार्क बनाने के मामले को गंभीरता से लेते हुए

जिला प्रशासन को तत्काल जांच एवं आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। आयोग ने यह संज्ञान बाल अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा-13 के अंतर्गत लिया है। शिकायत में बताया गया था कि वर्ष 2020 में दिव्यांग बच्चों के पुनर्वास, थेरेपी और सामाजिक सहभागिता के उद्देश्य से विकसित इस पार्क को 19 दिसंबर 2025 की रात नियमों के विपरीत ध्वस्त कर कथित रूप से वोटिंग पार्क में परिवर्तित करने की कार्रवाई की गई। आयोग ने अपने नोटिस में स्पष्ट किया कि दिव्यांग बच्चों से जुड़े किसी भी सार्वजनिक ढांचे को नुकसान पहुंचाना उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। आयोग ने जिलाधिकारी, गाजियाबाद को निर्देशित किया है कि मामले की तत्काल जांच कर दोषियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा की गई कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट आवश्यक दस्तावेजों सहित आयोग को उपलब्ध कराई जाए।

अब निः शुल्क टेली लॉः ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनभद्र घर बैठे देगा कानूनी सलाहः प्राधिकरण सचिव राहुल

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र के तत्वावधान में 22 फरवरी 2026 को आयोजित होने वाले मेगा विधिक जागरूकता शिविर के तहत बुधवार 04 फरवरी को जनपद के पंचायत रिसोर्स सेंटर में एक प्री-कैंप आयोजित किया गया।

प्री कैम्प में प्राधिकरण सचिव सोनभद्र राहुल समेत सीएससी मैनेजर योगेश मिश्रा, टेली लॉ समन्वयक वागीश सिंह और चीफ एल.ए.डी.सी शमशेर बहादुर सिंह ने टेली-लॉ, नालसा योजनाओं और विधिक सहायता के बारे में शिविरार्थियों को जागरूक किया।

उद्देश्य था 22 फरवरी 2026 को आयोजित होने वाले 'मेगा वृहद विधिक जागरूकता एवं सेवा शिविर' के लिए पूर्व तैयारी (प्री-कैंप)।

इस प्री कैम्प में टेली लॉ (Tele-Law) माध्यम से आमजन को घर बैठे कानूनी सलाह दिलाने के बारे में बताया गया विशेषकर नालसा (NALSA) योजनाएं, निःशुल्क विधिक सहायता, मुआवजा योजनाएं और अन्य कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

● पंचायत रिसोर्स सेंटर में एक प्री-कैंप आयोजित कर सचिव और विशेषज्ञों ने विमर्श कर सम्बन्धित शिविरार्थियों को किया जागरूक, मेगा शिविर 22 फरवरी को

अलावा इसके आगामी मेगा शिविर 22.02.2026 के शिविर की तैयारियों और उसमें मिलने वाली सेवाओं की जानकारी दी गई साथ ही उक्त प्री-कैंप में उपस्थित लोगों को कानूनी साक्षरता व अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। यह जानकारी राहुल सीविल जज सीनियर डिवीजन/ सचिव (पूर्णकालिक) ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनभद्र ने दी है।

जूगैल थाना अध्यक्ष जितेंद्र कुमार का भव्य स्वागत

लोगों ने फूल-मालाओं व अंगवस्त्र पहनाकर किया सम्मान

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र (जूगैल)। जूगैल थाना अध्यक्ष के पद पर जितेंद्र कुमार की नियुक्ति होने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर स्थानीय लोगों व सामाजिक कार्यकताओं ने थाना परिसर/क्षेत्र में पहुंचकर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। लोगों ने थाना अध्यक्ष जितेंद्र कुमार को फूल-मालाएं पहनाईं, अंगवस्त्र भेंट किया तथा भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में क्षेत्र में कानून- व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी तथा आम जनता को न्याय व सुरक्षा का भरोसा मिलेगा। थाना अध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने सम्मान के लिए सभी का आभार जताते हुए कहा कि वे पूरी ईमानदारी व निष्पक्षता के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे और जनता की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करेंगे।

इस मौके पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, युवा एवं समाजसेवी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। श्याम सूरत नायक, सीताराम भारती, राजेश कुमार, शिवम सिंह आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत निस्तारण में मनमानी का आरोप

बिना जांच के ही शिकायत को बताया गया निस्तारित, इंटरलॉकिंग निर्माण में मानकों की अनदेखी का दावा

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। जनपद के विकास खण्ड नगवां में मुख्यमंत्री पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के निस्तारण को लेकर अधिकारियों पर मनमानी करने का गंभीर आरोप सामने आया है। शिकायतकर्ता का कहना है कि उसकी शिकायत की वास्तविक जांच किए बिना ही उसे निस्तारित दिखा दिया गया, जिससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है।

शिकायतकर्ता द्वारा मुख्यमंत्री पोर्टल पर संदर्भ संख्या 40020026000494 के तहत दर्ज कराई गई शिकायत में बताया गया था कि ग्राम पंचायत कम्हरिया में रामप्रसाद के घर से रामगनेश के घर तक कराए गए इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य में सरकारी मानकों का पालन नहीं किया गया है। आरोप है कि निर्माण में सोलंग (बालू-सीमेंट मिश्रण) का प्रयोग नहीं किया गया और केवल भस्सी के सहारे इंटरलॉकिंग बिछा दी गई।शिकायतकर्ता का आरोप है कि जांच के लिए नियुक्त सचिव राजकिशोर ने बिना मौके पर पहुंचे ही रिपोर्ट लगा दी कि सड़क में कोई कमी नहीं पाई गई। जबकि वास्तविक स्थिति इसके विपरीत है। बताया गया कि यह कार्य क्षेत्र पंचायत द्वारा लगभग 1500 मीटर लंबाई में कराया गया है, जिसमें तकनीकी अधिकारियों की देखरेख आवश्यक थी। आरोप है कि संबंधित जेई ब्रिजेश कुमार कभी मौके पर निरीक्षण करने नहीं पहुंचे, जिससे गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

शिकायतकर्ता ने मामले की उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है, ताकि ग्राम कम्हरिया में कराया गया विकास कार्य भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ने से बच सके और सरकार की छवि धूमिल न हो।

जीएल बजाज इंस्टीट्यूट में संकाय सशक्तिकरण कार्यक्रम और कार्यशाला का आयोजन

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च ने एक अनूठा संकाय सशक्तिकरण कार्यक्रम और कार्यशाला का आयोजन किया। इस दो दिवसीय सत्र में शिक्षकों और छात्रों को यह जानने का अवसर मिला कि कहानी कहने और सिनेमा को सीखने और परिवर्तन के शक्तिशाली उपकरण कैसे बनाया जा सकता है।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में सिंगापुर की ब्लैक स्पाइस मीडिया के अवॉर्ड-विनिंग फिल्ममेकर सलीम हादी और स्ट्रैटेजिक बिजनेस पार्टनर दीपिका मोहाजन ने शिरकत की। जीएलबीआईएमआर के निदेशक डॉ. सपना राकेश ने कहा कि यह कार्यशाला हमारे शिक्षकों और छात्रों के लिए एक मूल्यवान अनुभव था।कहानी कहने और सिनेमा के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया को समझने से हम अपने कौशल को और भी बेहतर बना सकते हैं।

जीएल बजाज ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल ने कहा कि जीएलबीआईएमआर द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम शिक्षा में नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। हम अपने छात्रों को ऐसे अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो उन्हें भविष्य के लिए तैयार करें। कार्यक्रम में जीएलबीआईएमआर के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया और इसे अत्यधिक लाभकारी बताया।

फूड डेमो के माध्यम से लोगों को पौष्टिक आहार और स्वस्थ जीवनशैली के बारे में किया गया जागरूक रीना शर्मा

संस्था कार्यकर्त्तियों ने स्थानीय खाद्य पदार्थों का उपयोग करके व्यंजन बनाना सिखाया

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। विकास समिति सोनभद्र एवं चाइल्ड राइट्स एंड यू के सहयोग से संस्था कार्य क्षेत्र के ग्राम कुकराही मे विभिन्न खाद्य प्रदार्थों के डेमो के माध्यम से समुदाय के लोगो को किया गया जागरूक जिसमे संस्था कार्यकर्त्ती रीना शर्मा द्वारा प्रदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से स्थानीय रूप से उपलब्ध खाद्य पदार्थों का उपयोग करके पौष्टिक व्यंजन बनाना सिखाया गया जो विशेष रूप से छोटे बच्चों एवं किशोरियों के लिए फायदेमंद है। लोगों को अधिक फल, सब्जियां, साबुत अनाज खाने और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों व चीनी का सेवन कम करने के लिए प्रेरित साथ ही डेमो के दौरान भोजन को प्रदूषण से बचाने तथा सही तरीके से पकाने और स्वच्छ उपकरणों का उपयोग करने के बारे में जानकारी दी गई। संस्था कार्यकर्त्ता रेखा द्वारा सत्र मे स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सामग्री का उपयोग करते हैं, जिससे यह समझ बढ़ती है कि स्वस्थ खान-पान के लिए महंगा सामान जरूरी नहीं है। प्रभावी फूड डेमो के बारे में विस्तृत बताते हुए पकाते समय पोषक तत्वों और उनके स्वास्थ्य लाभों पर लगातार चर्चा करते हुए तैयार व्यंजन का स्वाद चखने के बारे में बताते हुए यह भी बताया गया कि फूड डेमो के माध्यम से जागरूकता केवल ज्ञान नहीं बढ़ाती, बल्कि व्यवहार परिवर्तन होता हैं जिससे लोग स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित होते हैं। कार्यक्रम में सोनभद्र विकास समिति से काउंसलर साधना सिंह, सामाजिक कार्यकर्त्ता रेखा, रिना शर्मा, दिनेश कुमार कोआर्डिनेटर, आगनवाड़ी कार्यकत्री सहित बड़ी संख्या में बच्चें, किशोरियां एवं महिलाएं उपस्थित रहीं

कैंसर ट्रीटमेंट के लिए सरकार युद्ध स्तर पर चलाए अभियान : पंडित रवि शर्मा

नोएडा(स्वास्तिक सहारा)। 4 फरवरी को दुनिया कैंसर डे मनाती है और दुनिया में लगातार बढ़ते कैंसर के मरीज और कैंसर के कारण हो रही मौतों को लेकर नोएडा सेक्टर 22 आरडब्ल्यूए के संरक्षक एवं ब्राह्मण रक्षा दल के अध्यक्ष पंडित रवि शर्मा ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार 2022 में दुनिया भर में कैंसर से मरने वाले मरीजों की संख्या लगभग 97 लाख थी। अकेले भारत में 2019 में लगभग 9.3 लाख मौत कैंसर से हुई है। हर वर्ष यह आंकड़ा 15 से 20% के अनुपात में बढ़ रहा है जो की बेहद ही चिंताजनक है। श्री शर्मा ने कहा कि सबसे बड़ा दुख इस बात का है कि जब तक व्यक्ति को पता चलता है कि उसे कैंसर हुआ है तो वह कैंसर के आखिरी स्टेज में पहुंच चुका होता है और उसके बचने की संभावना न के बराबर होती है। श्री शर्मा ने कहा कि सबसे बड़ा दुख इस बात का होता है कि आदमी की जमा पूंजी भी खत्म हो जाती है और मरीज भी नहीं बचता। उन्होंने सरकार से मांग की है कि कैंसर से बचाव के लिए युद्ध स्तर पर प्रोग्राम चलाए जाने चाहिए। जिस तरह से हर जिले में सरकारी अस्पताल होते हैं ठीक उसी तरह से हर जिले में कैंसर का अस्पताल भी बनना चाहिए जहां पर कैंसर की जांच से लेकर कैंसर के इलाज तक के लिए सारे संसाधन उपलब्ध हो और वह भी बिल्कुल मुफ्त। पंडित रवि शर्मा ने कहा कि हम जागरूकता से कैंसर पर जीत हासिल कर सकते हैं क्योंकि अर्ली डिटेक्शन, लाइफस्टाइल मॉडिफिकेशन और रेगुलर स्क्रीनिंग से कैंसर बर्डन कम किया जा सकता है। समय पर डायग्नोसिस और मल्टी-डिसिप्लिनरी व पर्सनलाइज्ड ट्रीटमेंट अप्रोच मिलकर कैंसर ट्रीटमेंट के नतीजों में उल्लेखनीय सुधार ला सकते हैं।

ग्राउंड फ्लोर टावर ओ के निचे जबरदस्ती बनाया जा रहा है गार्बेज कलेक्शन सेंटर, लोगों का हंगामा

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। गौड़ सिटी 2 सोसायटी के 14 एवेन्यू में टावर ओ के नीचे ग्राउंड फ्लोर पर गार्बेज वेस्ट एरिया बनाने को लेकर निवासियों और प्रबंधन के बीच हंगामा हुआ। निवासियों का आरोप है कि बिना किसी सूचना और लोगों के स्वास्थ्य को अनदेखी करते हुए आने-जाने वाले रास्ते पर गार्बेज वेस्ट रूम तैयार किया जा रहा है। जिसका निवासियों के द्वारा विरोध किया जा रहा है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं की गई है। इस मामले को बढ़ते देखकर निवासियों ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में शिकायत दी है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। निवासियों ने बताया कि गौड़ सिटी 2 के 14 एवेन्यू में चार हजार से अधिक परिवार रह रहे है। इस एवेन्यू के एक टावर के माइंस वन पार्किंग एरिया में पहले गार्बेज वेस्ट रूम बनाया गया। जिसकी वजह से टावर आई में रहने वाले परिवारों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ा था। लोगों को पार्किंग एरिया में आने-जाने में काफी दिक्कत रहती थी।

आरोप है कि इस समस्या को देखते हुए लोगों ने एकजुट होकर एनजीटी में मामले की शिकायत की थी। जिसके बाद एनजीटी ने प्रबंधन की फटकार लगाते हुए वेस्ट गार्बेज प्लांट पार्किंग एरिया से हटाकर ओपन एरिया में करने के निर्देश दिए थे। निवासियों का आरोप है कि इसके बाद ही बिना किसी सूचना और लोगों की सेहत का ध्यान न करते हुए टावर ओ के नीचे ग्राउंड फ्लोर पर गार्बेज वेस्ट प्लांट स्थापित किया जा रहा था। जिसका निवासियों ने विरोध किया और यहां पर कार्य न करने के लिए मांग की। एक दिन लोगों की बात सुनने के बाद अगले दिन फिर काम शुरू किया गया। जिससे लोग आक्रोशित हुए और एकजुट होकर हंगामा किया। लोगों ने मेटिनेस टीम और प्रबंधन के खिलाफ जमकर नाराजगी जाहिर करते हुए गार्बेज वेस्ट एरिया और प्लांट न बनाने के लिए मांग की। लोगों ने कहा कि गार्बेज वेस्ट एरिया बन जाने के कारण बदबू फैलेगी साथ ही बीमारियों पूरे एवेन्यू में बढ़ेगी। इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है, लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर रहे है। लोगों ने एकजुट होकर ग्रेनो प्राधिकरण के संबंधित अधिकारियों से भी मामले की शिकायत की है। इसके बाद संबंधित अधिकारियों ने भी न लगाने के लिए निर्देश दिए है। मामले में मेटिनेस हेड संजीव त्यागी ने बताया कि मैनेजमेंट की तरफ से जिन कार्यों को बोला जाता है, वे कार्य मेटिनेस की टीम करती है। गार्बेज वेस्ट रूम और प्लांट बनाने से जुड़ी जानकारी मेरी पास नहीं है।

एल्डेको अमान्त्रण नोएडा की पहली सोसाइटी जहाँ होगा एसआईआर इनहाउस कैम्प

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। एल्डेको अमान्त्रण सोसाइटी सेक्टर 119 के निवासियों के लिए खुशखबरी है। एसडीएम अनुज नेहरा ने सोसाइटी के अध्यक्ष निखिल सिंघल को बताया है कि शनिवार 12 बजे से 5 बजे तक सोसाइटी में एसआईआर के नोटिस के निस्तारण के लिए कैम्प का आयोजन किया जाएगा। निखिल सिंघल ने एसडीएम अनुज नेहरा को पत्र लिखकर कैम्प के लिए अनुरोध किया था, जिसके जवाब में एसडीएम नेहरा ने कैम्प लगाने की जानकारी दी है। निखिल सिंघल ने कहा की सोसाइटी के कई निवासियों ने मुझसे कैम्प के आयोजन के लिए अनुरोध किया था, इसलिए मैंने इस संबंध में एसडीएम अनुज नेहरा से संपर्क किया और उन्होंने हमारी बात को गंभीरता से लेते हुए कैम्प का आयोजन करने का आश्वासन दिया। निखिल सिंघल ने आगे कहा की हम एसडीएम अनुज नेहरा के इस कदम का स्वागत करते हैं और उम्मीद करते हैं कि कैम्प के माध्यम से निवासियों की समस्याओं का समाधान हो सकेगा। हम सोसाइटी के निवासियों से अनुरोध करते हैं कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं और अपनी समस्याओं का समाधान पाएं।

दुर्लभ किस्म के कैंसर रोगों से पीड़ित दो युवा मरीजों का फोर्टिस में सफल उपचार

युवाओं में बढ़ रहे हैं कैंसर के मामले

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। कैंसर को प्रायः ऐसे रोग के रूप में देखा गया है जो आमतौर से अधिक उम्र के लोगों को अपना शिकार बनाता है। लेकिन अब यह ऐसा दुश्मन बन चुका है जिसके लिए उम्र का कोई बंधन नहीं रह गया है। जामा नेटवर्क ओपन द्वारा प्रकाशित एक अध्ययन से इस चिंताजनक तथ्य का खुलासा हुआ है कि कैंसर अब युवा वयस्कों (यंग एडल्ट्स) में भी बढ़ रहा है। बता दे कि कैंसर रोग की मौजूदा दर 50 वर्ष से कम उम्र के लोगों में अब तक सर्वाधिक पायी गई है। इस चिंताजनक रुझान के बारे में जागरूकता बढ़ाने और शीघ्र निदान के महत्व को रेखांकित करने के लिए, फोर्टिस हॉस्पीटल ग्रेटर नोएडा ने आज एक संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें डॉक्टरों ने युवाओं में बढ़ रहे कैंसर के मामलों की ओर ध्यान खींचा। साथ ही, उन्होंने दुर्लभकिस्म के जीवनघाती कैंसर रोगों से ग्रस्त ऐसे दो युवा मरीजों के बारे में भी जानकारी दी जिनका अस्पताल में डॉ प्रभात रंजन, डॉ अंबेश सिंह,सिद्धार्थ निगम व उनकी टीम द्वारा सफल उपचार किया गया।मीडिया को संबोधित करते हुए डॉक्टरों ने समय पर डायग्नॉसिस, और साक्ष्य-आधारित उपचार पर जोर देते हुए कहा कि ऐसा करने से परिणामों पर काफी सकारात्मक असर पड़ता है, यहां तक की एडवांस स्टेज के कैंसर होने पर भी अच्छे नतीजे मिल सकते हैं, और युवा मरीजों को एक बार फिर अपने हेल्थी, प्रोडक्टिव जीवन में वापसी करने का अवसर मिलता है। बताते चले कि फोर्टिस हेल्थकेयर लिमिटेड भारत में अग्रणी एकीकृत स्वास्थ्य सेवा प्रदाता है।कंपनी के हेल्थकेयर वर्टिकल्स में मुख्यतः अस्पताल, डायग्नॉस्टिक्स तथा डे केयर सेवाएं शामिल हैं। वर्तमान में, कंपनी देशभर के 12 राज्यों में कुल 36 हेल्थकेयर सुविधाओं (जिनमें जेवी और ओ एंड एम शामिल हैं) का संचालन करती है। कंपनी के नेटवर्क में 6,000 से अधिक ऑपरेशनल बेड (ओ एंड एम समेत) तथा 400 डायग्नॉस्टिक्स लैब्स शामिल हैं।

विषाक्त पदार्थ खाने से महिला नें गंवा दी अपनी जान मौत

दो छोटे बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है, पुलिस मामले की जांच में जुटी

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। रायपुर थाना क्षेत्र के दुबे पुर गांव में मंगलवार की बीती रात में एक महिला किसी बात से नाराज होकर विषाक्त पदार्थ खाने से उसकी हालत बिगड़ गई परिजनों में हड़कंप मच गया आनन फानन में परिजनों ने महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र वैनी भर्ती कराया डॉक्टर ने महिला की हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया जहां इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई है और शव को जिला अस्पताल में सुरक्षित रखा गया है।

महिला की पहचान फूलवती देवी उम्र लगभग 24 वर्ष पत्नी मुरली बताया जा रहा है महिला का मायका मांची थाना क्षेत्र के तेनुदाही ग्राम पंचायत के बिश्रामपुर में बताया जा रहा है महिला के माता-पिता को उसकी जानकारी दे दी गई है वे लोग भी जिला अस्पताल पहुंच रहे हैं। आपको बता दें कि महिला अपने पीछे दो छोटे-छोटे बच्चों छोड़ गई बच्चों का रो रो कर बुरा हाल है फिलहाल महिला ने किन परिस्थितियों में विषाक्त पदार्थ खाया पुलिस जांच में जुट गई है।

नोएडा पंजाबी समाज एवं यश कृष्णा मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट नें छात्रों को स्वेटर एवं स्कूल बैग बाटे

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। सेक्टर 45 स्थित सरकारी प्राइमरी स्कूल में नोएडा पंजाबी समाज एवं यश कृष्णा मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से छात्रों को स्वेटर एवं स्कूल बैग वितरित किए गए। पंजाबी समाज के अध्यक्ष एवं यश कृष्णा मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक राजीव अजमानी ने बताया कि इस सेवा कार्य का उद्देश्य जरूरतमंद बच्चों को सर्दी से राहत देना एवं उन्हें शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना है।

उनका मानना है कि ऐसे छोटे-छोटे प्रयासों से बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा सकती है। नोएडा पंजाबी समाज के संयोजक विपिन मल्हन ने बताया कि हमारी संस्था पिछले कई वर्षों से नोएडा शहर मे इसी प्रकार से सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को आयोजन करती रहती हैं एवं समाज को एकता और भाईचारे के लिए जागरूक करती हैं।

इस नेक कार्यक्रम में नोएडा पंजाबी समाज के महासचिव रणधीर सिंह, कोषाध्यक्ष नीरू शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य एवं फाउंडर राजन खुराना, कार्यकारिणी सदस्य रजनीश चोपड़ा और नवरत्न फाउंडेशन के संस्थापक अशोक श्रीवास्तव, विभा एवं शहर के अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

संसद में अनछपी किताब

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होनी थी। परंपरा रही है कि राष्ट्रपति ने अपने अभिभाषण में सरकार की जिन नीतियों, कार्यक्रमों और प्राथमिकताओं का उल्लेख किया है, सांसद उन पर चर्चा करते हैं। आलोचना भी करते हैं। विपक्ष का एजेंडा कुछ अलग भी हो सकता है। याद करें, जब केंद्र में कांग्रेस की पीवी नरसिम्हा राव सरकार थी और अटल बिहारी वाजपेयी नेता प्रतिपक्ष थे। तब अटल जी ने राष्ट्रपति अभिभाषण के संदर्भ में ही, बहस के दौरान, चीन का मुद्दा आक्रामक अंदाज में उठाया था और सरकार की भर्त्सना तक की थी। जब प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस और यूपीए सरकार थी, तब लालकृष्ण आडवाणी नेता प्रतिपक्ष थे। उन्होंने भी चीन के साथ सीमा–विवाद, सुरक्षा–विवाद और सैन्य तनावों का जिक्र करते हुए मनमोहन सरकार की तीखी आलोचना की थी। भारत–चीन संबंधों, टकरावों और विवादों पर संसद में बोलना 'वर्जित' नहीं है। यह सांसदों की संवैधानिक आजादी है कि वे कौनसा मुद्दा उठाते हैं। हालांकि संसद के दोनों सदन–लोकसभा और राज्यसभा–निश्चित नियमों में बंधे हैं। लोकसभा के नियम 349 (1) के तहत सांसद किसी भी किताब, पत्रिका, अखबार को उद्धृत नहीं कर सकते, जब तक वे उद्धरणों को सत्यापित नहीं करते। नियम 353 के तहत, यदि सांसद को इसी आधार पर अपनी बात कहनी है, तो वह स्पीकर और संबद्ध मंत्री को पहले नोटिस देगा। स्पीकर ओम बिरला ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के उद्धरणों के संदर्भ में इन नियमों का बार–बार हवाला दिया। स्पीकर ने नियमानुसार अपनी व्यवस्था भी दे दी, लेकिन नेता प्रतिपक्ष जिद पर अड़े रहे। सवाल करते रहे कि आखिर सरकार डरी हुई क्यों है? सरकार उनके वक्तव्य से असहज क्यों है? दरअसल नेता प्रतिपक्ष पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे द्वारा लिखित, लेकिन अभी तक अप्रकाशित किताब के कुछ अंश संसद में पढ़कर प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृहमंत्री अमित शाह को बेनकाब करना चाहते थे। राहुल गांधी जो वाक्य बोल पाए, उनमें डोकलाम टकराव का जिक्र सुनाई दिया, जबकि चीनी सेना के साथ तनाव, टकराव और युद्ध जैसे हालात पूर्वी लद्दाख में पैदा हुए थे। जून, 2020 को जो 'गलवान संघर्ष' हुआ और हमारे 20 जांबाज सैनिक 'शहीद' हुए, वह भी लद्दाख में हुआ था। जनरल नरवणे तब सेना प्रमुख थे और वह अप्रैल, 2022 तक इस पद पर रहे। गौरतलब है कि जनरल नरवणे की कथित आत्मकथा 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' अभी तक प्रकाशित नहीं हुई है, लेकिन उसका हार्डकवर अप्रैल, 2024 से ऑनलाइन शॉपिंग साइट्स पर उपलब्ध है। किताब के प्रकाशन की अनुमति देना सरकार का विशेषाधिकार है, क्योंकि पूर्व सेना प्रमुख की किताब राष्ट्रीय सुरक्षा और हमारी युद्ध रणनीति से भी जुड़ी है। हमारा दुश्मन देश उन जानकारियों का नाजायज फायदा उठा सकता है। लिहाजा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की संसद में आपत्ति और हस्तक्षेप तार्किक था।

जेफ्री एपस्टीन की फाईल्स से उठते सवाल

नीरज कुमार दुबे

अमेरिका के न्याय विभाग ने जब जेफ्री एपस्टीन से जुड़े लाखों पन्नों के कागजात सार्वजनिक किये, तो दुनिया भर में हलचल मच गयी। इन दस्तावेजों में कई देशों के बड़े नेताओं, धनवान लोगों और प्रभावशाली हस्तियों के नाम संदर्भ के रूप में सामने आये, जिससे राजनीति और कूटनीति दोनों में गरमाहट बढ़ गयी। हालांकि अधिकारियों ने साफ कहा है कि किसी का नाम आना अपराध का प्रमाण नहीं है, फिर भी इन खुलासों ने वैश्विक स्तर पर बहस और सनसनी का माहौल बना दिया है।

हम आपको बता दें कि जेफ्री एपस्टीन पहले ही यौन अपराधों में दोषी ठहराया जा चुका था। वर्ष 2008 में उसे सजा मिली, पर वह कड़े दंड से बच गया। वर्ष 2019 में उसे फिर नाबालिग लड़कियों की तस्करी जैसे गंभीर आरोपों में पकड़ा गया, लेकिन मुकदमा पूरा होने से पहले ही वह जेल में मृत पाया गया। उसकी मौत को आधिकारिक रूप से आत्महत्या बताया गया, पर उसके संपर्कों का जाल दुनिया भर में फैला होने से संदेह और चर्चा का दौर कभी थमा नहीं।

नये कागजातों में अनेक देशों के प्रभावशाली लोगों के साथ उसके संदेश, मुलाकातें और संपर्क दर्ज हैं। अमेरिका के बड़े राजनेताओं, उद्योगपतियों और तकनीकी जगत के धनाढ्यों तक के नाम सामने आये हैं। पर हर जगह एक ही चेतावनी दोहरायी गयी है कि संदर्भ का अर्थ दोष सिद्धि नहीं है। भारत के संदर्भ में सबसे अधिक चर्चा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम को लेकर हुई। कागजातों में कुछ संदेश कथित रूप से ऐसे हैं जिनमें उद्योगपति अनिल अंबानी और एपस्टीन के बीच बातचीत में भारत के प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं और मुलाकातों का जिक्र है। इन संदेशों में अमेरिका और इजराइल से जुड़ी कूटनीतिक पहल पर चर्चा दिखती है। हम आपको याद दिला दें कि वर्ष 2017 में प्रधानमंत्री मोदी की इजराइल यात्रा ऐतिहासिक मानी गयी थी, क्योंकि यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा थी।

इन संदेशों में यह भी दिखता है कि अनिल अंबानी ने कुछ मौकों पर अमेरिकी सत्ता से जुड़े लोगों से संपर्क साधने में मदद की बात कही। एपस्टीन ने भी अपनी शेखी भरी भाषा में लिखा था कि उसकी सलाह कारगर रही। पर यह सब उसके निजी दावे हैं, जिनका कोई स्वतंत्र प्रमाण नहीं दिया गया। भारत सरकार ने इस पूरे मामले पर तीखी प्रतिक्रिया दी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने साफ कहा कि प्रधानमंत्री की आधिकारिक इजराइल यात्रा के अलावा बाकी बातें एक दोषी व्यक्ति की बेबुनियाद बकवास हैं और उन्हें उसी तरह खारिज किया जाना चाहिए। सरकार ने दो टूक कहा कि बिना आधार की अटकलों को सच की तरह फैलाना गैर जिम्मेदाराना है।

इसी बीच विपक्ष, खासकर कांग्रेस, ने सवाल उठाये और पारदर्शिता की मांग की। कांग्रेस का कहना है कि प्रधानमंत्री को स्वयं सामने आकर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। हालांकि अभी तक ऐसा कोई तथ्य सामने नहीं आया है जो किसी गैर कानूनी काम की ओर सीधा संकेत करे। हम आपको यह भी बता दें कि इन कागजातों में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का नाम भी आया है। उनके और एपस्टीन के बीच निवेश और भारत में अवसरों को लेकर संदेशों का आदान प्रदान दिखता है। इस पर हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि उनके सभी संपर्क केवल औपचारिक थे।

भारत से बाहर देखें तो नॉर्वे की युवरानी मेटे मारित के एपस्टीन से लंबे समय तक संपर्क के संकेत मिले हैं। उन्होंने सार्वजनिक रूप से खेद जताया और कहा कि यह उनका गलत निर्णय था। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री केविन रुड का नाम एपस्टीन की मुलाकात सूची में दर्ज बताया गया, हालांकि उन्होंने किसी भी नजदीकी संबंध से इंकार किया है। ब्रिटेन के वरिष्ठ नेता पीटर मैंडलसन को लेकर भुगतान और संपर्क की बातें सामने आयीं, जिनके बाद उन्हें राजनीतिक आलोचना झेलनी पड़ी और पद छोड़ना पड़ा। स्लोवाकिया के वरिष्ठ सुरक्षा सलाहकार मिरोस्लाव लाजचाक ने तो विवाद बढ़ने पर इस्तीफा तक दे दिया, भले ही उन्होंने आरोपों को नकारा। वहीं कुछ धनकुबेर जैसे एलन मस्क और बिल गेट्स के साथ संदेशों के आदान प्रदान ने यह दिखाया कि एपस्टीन प्रभावशाली लोगों के बीच पहुंच बनाने में माहिर था। पर हर मामले में वही सावधानी दोहरायी गयी कि संपर्क या संदेश अपने आप में अपराध सिद्ध नहीं करते, फिर भी इन खुलासों ने दुनिया भर में सत्ता और धन के रिश्तों पर असहज सवाल खड़े कर दिये।

हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिका के न्याय विभाग द्वारा जेफ्री एपस्टीन से जुड़े लगभग पैंतीस लाख नये दस्तावेज जारी किये जाने के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम भी फिर से चर्चा में आ गया है। हालांकि शुरूआती सरकारी बयान और उपलब्ध कागजात यह संकेत देते हैं कि ट्रंप के खिलाफ किसी यौन अपराध या आपराधिक कृत्य का सीधा प्रमाण इन फाइलों में नहीं मिला है, फिर भी उनके और एपस्टीन के संबंधों को लेकर सवाल पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं।

न्याय विभाग के उप महान्यायवादी टॉड ब्लांश ने एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि एपस्टीन के वर्षों के पत्राचार की समीक्षा के बाद ऐसा कुछ नहीं मिला जिसमें एपस्टीन ने ट्रंप पर कोई आपराधिक आरोप लगाया हो या पीड़ितों के साथ ट्रंप के अनुचित संबंध का जिक्र किया हो। उन्होंने यहां तक कहा कि जब एपस्टीन ने ट्रंप की बुराई करने की कोशिश भी की, तब भी उसने कोई आपराधिक आरोप नहीं लगाया। यह बयान साफ तौर पर ट्रंप को संभावित राजनीतिक नुकसान से बचाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

लेकिन दस्तावेजों को विस्तार से देखने पर तस्वीर थोड़ी जटिल लगती है। ट्रंप का नाम कुछ अपुष्ट सूचनाओं में आया है जो जांच एजेंसी को भेजी गयी थीं। एक पीड़िता के साक्षात्कार के हस्तलिखित नोट्स में भी उनका नाम दर्ज है। एपस्टीन के एक कर्मचारी ने जांचकर्ताओं से कहा कि उसे याद है कि ट्रंप कभी एपस्टीन के घर आये थे। साथ ही वर्ष 2002 के कुछ संदेशों में मेलानिया नाम की महिला द्वारा दोस्ताना संवाद और पाम बीच यात्रा का जिक्र मिलता है। ये संदर्भ सीधे तौर पर अपराध साबित नहीं करते, पर संबंधों की प्रकृति पर जिज्ञासा जरूर बढ़ाते हैं।

दिलचस्प बात यह है कि ट्रंप प्रशासन ने लंबे समय तक इन फाइलों को सार्वजनिक करने में अनिच्छा दिखाई, जबकि चुनाव अभियान के दौरान ट्रंप पारदर्शिता की बात करते रहे थे। ट्रंप ने अपने ऊपर लगे एक आरोप को लेकर एक बड़े अखबार पर मुकदमा भी किया, जिसमें दावा था कि उन्होंने एपस्टीन के लिए आपत्तिजनक चित्र और टिप्पणी भेजी थी।

इन फाइलों में ट्रंप के करीबी लोगों के नाम भी सामने आये हैं। हॉवर्ड लटनिक के परिवार सहित एपस्टीन के द्वीप जाने की योजना का जिक्र है, हालांकि उन्होंने मुलाकात से इंकार किया है। एलन मस्क के संदेशों में एपस्टीन के द्वीप और पार्टियों में रुचि दिखती है, भले ही यात्रा साकार न हुई हो। स्टीव बैनन और एपस्टीन के बीच लंबा संवाद और एक विस्तृत वीडियो साक्षात्कार का भी उल्लेख है।

अब बड़ा सवाल यह है कि क्या ट्रंप सभी एपस्टीन फाइलें जारी करवाएंगे? हालांकि अमेरिकी न्याय विभाग संकेत दे चुका है कि हालिया जारीकरण उनके प्रयासों का लगभग अंत है। दूसरी ओर कुछ सांसदों का कहना है कि अभी लाखों पन्ने रोके गये हैं और उन्हें सार्वजनिक होना चाहिए।

दैनिक राशिफल

मेष: चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ।

परिवार की चिंता रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

वृषभ: इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो।

धनागम होगा। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें।

मिथुन: का, की, कु, घ, ङ:, छ, के, को, हा।

व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।

कर्क: ही, हे, हु, हो, डा, डी, डू, डे, डो।

लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। शत्रु से सतर्क रहें। काम के प्रति लापरवाही न करें, किसी बात पर मतभेद की संभावना है।

सिंह: मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे।

सुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे। सुखवृद्धि एवं पारिवारिक उन्नति होगी।

कन्या: टो, पा, पी, पू, ष, ण:, ठ, पे, पो।

मित्रों की मदद से समस्या का समाधान हो सकेगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। मान बढ़ेगा। धनार्जन होगा। थकान रहेगी।

तुला: रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते।

व्यापार में मनोनुकूल लाभ होने के योग हैं। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। कामकाज की जिज्ञासा बढ़ेगी। बेरोजगारी दूर होगी।

वृश्चिक: तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू।

अनसोचे कार्य होंगे। दांपत्य जीवन में मनमुटाव हो सकता है। पारिवारिक समस्याएँ सूझबूझ से निपटाएँ।

धनु: तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू।

प्रयास सफल रहेंगे। योजना बनेगी। आशानुरूप स्थिति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। व्यापारिक गोपनीयता भंग न करें।

मकर: भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी।

मान–सम्मान बढ़ेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक तनाव से मन परेशान रहेगा।

कुंभ: गू, गे, गो, सो, सी, सू, स, से, दा।

धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग हैं। मनोरंजन के अवसर उपलब्ध होंगे।

मीन: दी, दू, थ, झ, यं, दे, दो, चा, ची।

व्यापार में लाभ होने के योग हैं। धार्मिक कामों में रुचि बढ़ेगी। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम न लें।

श्वेत-श्याम व मोबाइल-डिजिटल में उलझा जीवन

विकेश कुमार बडोला

बसंत पंचमी के बाद वातावरण, वायुमंडल तथा जलवायु बासंती प्रभाव में सौंदर्ययुक्त होने चाहिए। संभवतः कभी ऐसा होता रहा हो, किंतु अब ऐसा नहीं। गत तीन दशकों से तो ऐसा है ही नहीं। बसंतागमन के बाद ही पर्वतों के सिर पर हलचल होती है। शीत बढ़ती है। जल वर्षण आरंभ होता है तथा तत्पश्चात हिमवर्षण भी होने लगता है। दिल्ली एवं उत्तर भारत के अन्य महानगरों, नगरों में धुंध व कोहरे के अंधेरे से उकताये-खीझे हुए लोग पर्यटकों के वेश में पहुंच जाते हैं, हिमालय पर्वतों पर हिमवर्षण तथा वर्षण के बाद परिव्याप्त हिमश्वेता देखने। विचित्र है, किंतु सत्य है कि दुनिया के जिन अधिसंख्य लोगों को अपने सिर के श्वेत होते केशों से चिढ-कुढ व ईर्ष्या-जलन होती है, वे हिमालय के श्वेतास्तित्व में स्वयं को प्रसन्न रखने का सौंदर्य देखते हैं। हिम का श्वेत रूप-स्वरूप उन्हें अच्छा लगता है। वे इसे देख प्रेमालाप करते हैं। इसमें खड़े होकर अपने व्यतीत, वर्त तथा भावी प्रेमानुभवों को आत्मसात करते हैं। प्रेमाकुलता में वृद्धि करने वाले गीत गाते हैं, गीत-संगीत सुनते हैं तथा हिमालय की अत्यधिक शीत ऋतु में भी युवावस्था की प्रेमाग्नि का ताप महसूस करते हैं। मानव की विचित्रता से उत्पन्न कुंठित विरोधाभास की स्थिति यह है कि श्वेत वस्त्र धारण करने वाली ज्ञानदेवी सरस्वती की आभा से वह अवश्य ही आत्मप्रेरित होता है। श्वेत दुग्ध प्राप्ति के लिए विशेष प्रयास करता है। श्वेत वसन धारण कर समाज व लोगों का नेतृत्व करने नेता बनता है। श्वेत वसन व टोप पहन कर भद्र जनों की क्रीड़ा क्रिकेट के टेस्ट मैच खेलता है। टेस्ट खिलाड़ी के रूप में मान, सम्मान, पद, प्रतिष्ठा, धन, संसाधन, सुंदरियों का ध्यान प्राप्त करता है। श्वेत गुलाबी त्वचा प्राप्त करने के अथक प्रयास करता है। चरित्र न होते हुए भी चरित्रवान होने के लिए दिखावटी श्वेत क्रियाकलाप करता है। मानव की कुंठा तथा कुंठागत विरोधाभास की पराकाष्ठा यह है कि वह अपने श्वेत केशों को छोडकर जीवन के समस्त श्वेत को प्राप्त करने को आतुर होता है। मानव इस सत्य को विस्मृत कर चुका है कि जीवन में महत्त्व ही श्वेत-श्याम का है। दिन उदित होता है, सूर्योदय होता है, तो प्रकाश परिव्याप्त होता है। यह श्वेत क्रांति की दैनिक प्राकृतिक गतिविधि है, जो सर्वप्रथम सूर्य के माध्यम से घटित होती है। सूर्यास्त तक पूरा दिन, संपूर्ण प्रकृति एवं चराचर जगत श्वेत के वशीभूत होकर ही तो सक्रिय होता है। रात्रि माने श्याम। रात होते ही अंधेरा फैल जाता है। प्राकृतिक रूप में समस्त जग-जीवन कालिमा से घिर जाता है। अंधेरा व कालिका ही श्याम है। इस प्रकार श्वेत-श्याम मानव के जन्म से लेकर उसकी मृत्यु तक दो महत्त्वपूर्ण रंगाभासों के रूप में विद्यमान होते हैं। इन दो रंगों से ही अन्य रंगों का अस्तित्व है। इन दोनों के मिश्रण द्वारा ही विविध रंग साकार होते हैं। मानव का वर्ण यदि श्याम है, तो वह श्वेत के लिए प्रमुदित होता है, तथा यदि उसके केश श्वेत होते हैं तो वह श्यामरंगी केशों के लिए लालायित होता है। यह कैसी विडंबना है! इससे प्रत्येक आधुनिक व्यक्ति ग्रस्त है। किंतु इस प्रकरण को व्यर्थ सिद्ध करने कुछ आपवादिक स्थितियां भी हैं, जिनमें श्वेत केशधारी व्यक्तित्व संसार का सबसे आकर्षक तथा श्याम केशधारी व्यक्ति अत्यधिक अनाकर्षक प्रतीत होता है। जिस व्यक्ति के अंग-प्रत्यंग सुडौल व सुगठित हों तथा शरीर की संपूर्ण त्वचा श्वेत-गुलाबी आभा से दमक रही हो, और उसके केश श्वेत भी हों, तब भी वो सौंदर्य, आकर्षण, कामुकता व प्रेमानुभवों का वाहक होता है। इसके विपरीत जिसके अंग व त्वचा वृद्धावस्था की कुरूपता, शुष्कता एवं जर्जरता का आभास कराते हों, और उसके केश श्यामल रंग में रंगे हों, तो भी वह केवल केशों की कालिमा द्वारा सौंदर्य, आकर्षण तथा काम वासना का वाहक नहीं बन सकता। केशों को काला करने के लिए आतुर लोगों को इतना मनोविज्ञान समझ नहीं आता। इस मनोविज्ञान की हानि के कारण केश काले करने के असंख्य उत्पाद बाजार में उपलब्ध हैं। दिन-रात यहां-वहां इनके विज्ञापन प्रसारित होते हैं।

विज्ञापनों में श्वेत केशों के साथ उपस्थित व्यक्तियों को लज्जित, दुखित व पीड़ित दिखाया जाता है। इसके विपरीत श्याम रंग वाले उत्पादों के उपयोग के बाद श्यामल केशों के साथ उपस्थित लोगों को आनंदित, प्रफुल्लित, हर्षित एवं आत्मविश्वास से संचित दिखाया जाता है। बीस-तीस वर्षों से विज्ञापनों के माध्यम से यह देख-देख कर समाज के एक बड़े हिस्से की मानसिकता ये हो चुकी है कि जिसके बाल काला रंग लगाकर काले हैं, वो युवा है तथा जिसके बाल प्राकृतिक रूप में सफेद हैं, वो बूढ़ा हो रहा है। अब तो अरबों लोगों के हाथों में मोबाइल फोन है, जिसकी खिडकी दिन-रात कुछ न कुछ प्रसारित कर ही रही है तथा पिचानबे प्रतिशत लोगों के हाथों में मोबाइल फोन की भूमिका किंचित वैसी ही है, जैसे बंदर के हाथ में उस्तरे की भूमिका हो सकती है। अर्थात जैसे बंदर के हाथ में उस्तरा आ जाने पर वह उसे दायें-बायें, ऊपर-नीचे, यहां-वहां बिना सोचे-समझे घुमाकर अपनी एवं दूसरों की गर्दन काट सकता है, ठीक उसी भांति आज पिचानबे प्रतिशत लोग मोबाइल फोन को उस्तरा समझकर प्रयोग कर रहे हैं। इस मोबाइल उस्तरे से लोगों की गर्दनें तो नहीं कट रहीं, किंतु मन-मस्तिष्क-आत्मा, सोच-विचार, आचार-व्यवहार, रिश्ते-नाते, साथ-संबंध, मित्रता-बंधुता, जेब, बैंक, धन, बचत, प्राकृतिक ऊर्जा, स्मृतियां, योग्यता, दक्षता, कौशल, उमंग-तरंग, स्वास्थ्य तथा अंततः मानवता भयंकर ढंग से कट रही है। और इसी मोबाइल रूपी उस्तरे पर श्वेत केशों को श्याम रंग में रंगने का विज्ञापन कर रहे बंदर-बंदरिया भी कई बार अवतरित-अंतर्धान होते देखे जा सकते हैं। श्वेत-श्याम केशों के विचारचक्र तथा मोबाइल-डिजिटल दुनिया की अन्य गतिविधियों ने मानसिक रोगों के ढेर लगा दिए हैं। ऐसे विकास, आधुनिकता तथा विश्वगुरु होने-बनने की आकांक्षा का क्या करना, जिन्हें प्राप्त करते-करते व्यक्ति, परिवार, समाज तथा राष्ट्र मानसिक-शारीरिक व्याधियों से घिर जाएं और अंततः व्यक्ति स्वयं से भी वैर पाल ले। इस समय देश ही नहीं, पूरे विश्व की यही स्थिति है। विशाल प्रकृति के समक्ष पिद्दे-नाटे से दिखाई देते व्यक्ति का अहंकार उसकी बुद्धि-विवेक को भस्म कर चुका है। उसे प्रतापी सूर्य, शांतिपुंज चंद्रमा, तारकों की अद्भुत शोभना, विस्तृत सुनील नभ, अपरिमित भूमि, वन-वनस्पतियों की विशालता, वायु व जल की भूमिका, उपयोगिता एवं विनाशक प्रतिक्रिया तथा संपूर्ण प्राकृतिक गतिविधियों पर स्थायी आश्चर्य नहीं होता।

भारत वसुधैव कुटुम्बकम के भाव के साथ मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न कर रहा है

प्र'ाद सबनानी

दिनांक 27 जनवरी 2026 को यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के साथ भारत ने एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया है। अब, इस समझौते की शर्तों को इन देशों की संसद द्वारा पारित किया जाएगा, इसके बाद यह मुक्त व्यापार समझौता यूरोपीय यूनियन एवं भारत के बीच होने वाले विदेशी व्यापार पर लागू हो जाएगा। इस मुक्त व्यापार समझौते को 'मदर आफ ऑल डील्स' कहा जा रहा है। क्योंकि, यह मुक्त व्यापार समझौता विश्व के 28 देशों के उस भूभाग पर लागू होने जा रहा है, जहां विश्व की 30 प्रतिशत आबादी निवास करती है। पृथ्वी के इस भूभाग पर 200 करोड़ से अधिक नागरिकों का निवास है। इन 28 देशों की संयुक्त रूप से विश्व के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 25 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। विश्व की दूसरी सबसे बड़ी (संयुक्त रूप से) अर्थव्यवस्था (यूरोपीय यूनियन - 22 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर) एवं चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था (भारत - 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर) के बीच यह मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न होने जा रहा है। वैश्विक स्तर पर होने वाले विदेशी व्यापार में इन समस्त देशों की हिस्सेदारी 33 प्रतिशत है। पूरी दुनिया में 33 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी व्यापार होता है, इसमें से 11 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी व्यापार उक्त 28 देशों द्वारा किया जाता है।

उक्त वर्णित मुक्त व्यापार समझौता विश्व का सबसे बड़ा व्यापार समझौता है। इसके पूर्व, सबसे बड़े मुक्त व्यापार समझौते के रूप में चीन एवं 10 आशियान देशों के बीच सम्पन्न हुए मुक्त व्यापार समझौते को माना जाता है। यह केवल एक मुक्त व्यापार समझौता नहीं बल्कि यूरोपीय यूनियन के 27 देशों एवं भारत के बीच साझा समृद्धि का एक ब्लूप्रिंट है। इस समझौते में पूरी दुनिया की आर्थिक दशा एवं दिशा बदलने की क्षमता है। उक्त व्यापार समझौता को सम्पन्न करने के प्रयास पिछले 18 वर्षों से हो रहे थे। परंतु, कुछ विपरीत परिस्थितियों के चलते इस समझौते को सम्पन्न होने में इतना लम्बा समय लग गया है, अतः यह अब भारत एवं यूरोपीय यूनियन के 27 देशों के बीच एक नए युग की शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है। उक्त मुक्त व्यापार समझौते के सम्पन्न होने के पश्चात वर्ष 2032 तक यूरोपीयन यूनियन के सदस्य देशों एवं भारत के बीच विदेशी व्यापार के दुगना होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इसके पूर्व भारत एवं यूनाइटेड किंगडम के बीच भी मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न किया जा चुका है। अब कनाडा के प्रधानमंत्री भी संभवतः मार्च माह में भारत के दौरे पर आने वाले है और भारत एवं कनाडा के बीच भी कुछ क्षेत्रों में व्यापार समझौता सम्पन्न होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। अमेरिका मुक्त व्यापार समझौतों को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहा है, जबकि भारत मानवतावादी दृष्टिकोण को अपनाते हुए विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते कर रहा है ताकि भारत एवं अन्य समस्त देशों में निवासरत नागरिकों को इन समझौतों से लाभ मिले। यह भारतीय संस्कृति के वसुधैव कुटुम्बकम के भाव को दशार्ता है। भारत की इस नीति के चलते ही विश्व के कई देश अब भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते शीघ्र ही सम्पन्न करना चाह रहे हैं। वैश्विक स्तर पर हाल ही के समय में आर्थिक क्षेत्र में भारी उथल पुथल दिखाई दे रही है। भारत एवं यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के बीच सम्पन्न हुए मुक्त व्यापार समझौते से इस उथल पुथल में कुछ सुधार आता हुआ दिखाई देगा।

भारत में कृषि एवं डेयरी क्षेत्र अतिसंवेदनशील है। क्योंकि, भारत की कुल आबादी का लगभग 60 प्रतिशत भाग आज भी ग्रामीण इलाकों में उक्त क्षेत्रों पर अपनी आजीविका के लिए निर्भर है। अतः उक्त दोनों क्षेत्रों को मुक्त व्यापार समझौते से बाहर रखा गया है। हां, भारत के समुद्री उत्पाद उद्योग, वस्त्र एवं परिधान उद्योग, जेम्स एवं ज्वेलरी उद्योग, चमड़ा उद्योग, खिलौना उद्योग जो श्रम आधारित उद्योग हैं, को उक्त मुक्त व्यापार समझौते से अधिकतम लाभ होगा क्योंकि यूरोपीय यूनियन के समस्त 27 देशों द्वारा भारत से उक्त उत्पादों के आयात पर आयात ड्यूटी को शून्य किया जा रहा है। वर्तमान में भारत से समुद्रीय उत्पादों के निर्यात पर 26 प्रतिशत का आयात कर लगाया जाता है, जिसे मुक्त व्यापार समझौता के लागू होने के पश्चात शून्य कर दिया जाएगा। इसी प्रकार, वस्त्र एवं परिधान के आयात पर वर्तमान में लागू 12 प्रतिशत के आयात कर को शून्य किया जा रहा है, खिलौना पर लागू 4.7 प्रतिशत के आयात कर को शून्य, जेम्स एवं ज्वेलरी के आयात पर 4 प्रतिशत से शून्य, केमिकल उत्पादों के आयात पर 12.8 प्रतिशत से शून्य, चमड़ा से निर्मित उत्पादों के आयात पर 17 प्रतिशत से शून्य, फर्नीचर उत्पादों के आयात पर 10.7 प्रतिशत से शून्य आयत कर किया जा रहा है।

यूरोपीय यूनियन के 27 देश, जो विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हैं, में जन्म दर पिछले कई वर्षों से लगातार गिर रही है एवं कुछ देशों में तो यह शून्य के स्तर पर पहुंच गई है जिससे इन देशों में प्रौढ़ नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। सेवा क्षेत्र में कार्य करने वाले नागरिकों का इन देशों में नितांत अभाव दिखाई देता है। अतः इन देशों में श्रमबल की भारी कमी है। उक्त मुक्त व्यापार समझौते के सम्पन्न होने के पश्चात भारतीय नागरिकों को यूरोपीय यूनियन के समस्त 27 देशों में तकनीकी क्षेत्र, चिकित्सा क्षेत्र, निर्माण क्षेत्र, सेवा क्षेत्र, आदि में रोजगार के भारी मात्रा में अवसर प्राप्त होंगे। इन समस्त देशों द्वारा भारतीय नागरिकों को वीजा प्रदान करने की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा।

युनाईटेड किंगडम, जर्मनी, फ्रान्स आदि जैसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं जैसे देशों में भारतीय इंजिनीयरों एवं डाक्टरों की भारी मांग है। उक्त देशों द्वारा भारतीयों के परिवार के सदस्यों को रोजगार प्रदान करने के अवसर भी प्रदान करने सम्बंधी प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। भारतीय विद्यार्थियों द्वारा यूरोपीय यूनियन के सदस्य देशों के विश्वविद्यालयों में अपनी शिक्षा समाप्त करने के उपरांत 9 माह से 12 माह तक का समय रोजगार तलाशने के लिए प्रदान किया जाएगा। इस समयावधि तक भारतीय युवाओं को इन देशों में प्रवास की अनुमति प्रदान की जाएगी।

भारतीय कारीगरों के लिए अब वैश्विक बाजार खुल रहा है। साथ ही, भारत अब विनिर्माण इकाईयों का वैश्विक केंद्र बन सकता है। क्योंकि, यूरोपीयन यूनियन के समस्त देश विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हैं एवं वे अपनी सम्पत्ति/पूंजी का निवेश भारत में विनिर्माण इकाईयों में कर सकते हैं एवं कुछ लाभप्रद क्षेत्रों में वे अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना भी कर सकते हैं। अधिक उत्पादन इकाईयों की स्थापना से भारत में रोजगार के अधिक अवसर भी निर्मित होंगे। इससे भारत में बेरोजगारी की समस्या का हल भी निकलता हुआ दिखाई दे रहा है।

भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को इस दृष्टि के साथ सम्पन्न किया जा रहा है ताकि इससे भारत के किसान, मजदूर, कारीगर, पेशेवर नागरिकों एवं सूक्ष्म, छोटे एवं मध्यम उद्योगों को विशेष लाभ हो। यूरोपीयन यूनियन के समस्त 27 देशों में वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र का आकार 26,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है, इससे भारत से वस्त्र एवं परिधान का निर्यात वर्तमान में 64,000 करोड़ रुपए से बढ़कर 3 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक पुरुषोत्तम पाण्डेय द्वारा मौनेक्स ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, बी-12, निकट एमएमजी अस्पताल, शंभू दयाल काम्पलेक्स, जीटी रोड, गाजियाबाद से मुद्रित एवं 498 प्रथम तल, मैत्री लेन, सैक्टर-5, वैशाली गाजियाबाद से प्रकाशित।

सम्पादक : विजय प्रकाश पाठक
Mob : 9910460742
website : www.swastiksahara.com
E-mail : swastiksaharanews@gmail.com

विधि सलाहकार
टेट्रा लीगल एलएलपी, लॉ फर्म, नई दिल्ली
मोबाइल नंबर - +91 99990 74369

City Office:
11, Maliwara, Near Pyarelal Park, Vasant Road, Ghaziabad-201001Phone : 0120-4252839

सेहत/स्वास्थ्य

महाशिवरात्रि व्रत में कमजोरी होगी दूर, अपनी डाइट में शामिल करें ये 5 सुपरफूड

व्रत में भोजन की कमी और उपवास की वजह से हमारे शरीर में ऊर्जा की कमी महसूस हो सकती है। ऐसे में अगर व्रत के दौरान सही डाइट ली जाए, तो आप पूरी तरह से ऊर्जावान महसूस कर सकते हैं और साथ ही सही ढंग से व्रत का पालन भी कर सकते हैं।

हिंदू धर्म में महाशिवरात्रि व्रत बेहद अहम व्रत माना जाता है। महाशिवरात्रि पर्व को बड़ी श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया जाता है। इस खास पर्व पर लोग व्रत करते हैं और भगवान शिव की पूजा-अर्चना करते हैं। हालांकि व्रत में भोजन की कमी और उपवास की वजह से हमारे शरीर में ऊर्जा की कमी महसूस हो सकती है।

ऐसे में अगर व्रत के दौरान सही डाइट ली जाए, तो आप पूरी तरह से ऊजार्वान महसूस कर सकते हैं और साथ ही सही ढंग से व्रत का पालन भी कर सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको 5 तरह के ऐसे फूड्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको खाकर आप थकान और कमजोरी से बच सकते हैं।

ताजे फल

व्रत के दौरान आप ताजे फलों का भी सेवन कर सकते हैं। यह आपके शरीर को फौरन ऊर्जा प्रदान करता है। आप केला, संतरा, सेब, अंगूर और पपीता आदि खा सकते हैं। यह न सिर्फ आपको ऊर्जा देते हैं, बल्कि इन फलों में विटामिन्स और मिनरल्स की भी भरपूर मात्रा पाई जाती है। जो ताजगी बनाए रखने में मदद करती है।

नट्स और बीज

आप व्रत में ताजे फलों के अलावा बीज और नट्स जैसे अखरोट, काजू, बादाम, मूंगफली और चिया सीड्स खा सकते हैं। इससे आपके शरीर को एनर्जी मिलती है। यह प्रोटीन और हेल्दी फैट्स से भरपूर होते हैं, जो आपके शरीर को पूरा दिन सक्रिय रखते हैं। वहीं नट्स और बीज का सेवन करने से मस्तिष्क की कार्यक्षमता भी बेहतर होती है।

आलू

व्रत के दौरान आलू का सेवन करना एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। यह काबोर्हाइड्रेट्स का एक अच्छा स्त्रोत है। जोकि शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है। आप व्रत में आलू को उबालकर या फिर हल्का सा सेंककर खा सकते हैं। आलू में फाइबर और पोटैशियम भी पाया जाता है, जो शरीर की थकान को दूर करने में सहायता करता है।

दही

दही कैल्शियम और प्रोटीन का एक बेहतरीन स्त्रोत है। यह आपके पाचन तंत्र को बेहतर रखने के साथ ही शरीर को भी ठंडक प्रदान करता है। व्रत में दही का सेवन करने से शरीर को ताजगी और ऊर्जा मिलती है। आप दही को शहद, सूखे मेवे या फिर फल के साथ मिलाकर खा सकते हैं।

साबूदाना

बता दें कि महाशिवरात्रि के व्रत में साबूदाना भी एक लोकप्रिय खाद्य ऑप्शन हो सकता है। साबूदाना हल्का होता है और इसमें काबोर्हाइड्रेट्स की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। जो आपके शरीर को ऊर्जा और ताजगी देता है। आप साबूदाना की टिक्की, खीर या फिर हलवा बनाकर खा सकते हैं। जिससे आपको न सिर्फ ऊर्जा मिलेगी, बल्कि व्रत के दौरान भूख से आपके पेट को भी संतुष्टि मिलेगी।

पर्यटन

औली बना नया विंटर डेस्टिनेशनः बर्फबारी के बीच स्कीइंग और ट्रैकिंग का उठाएं पूरा मजा

आजकल लोगों में घूमने-फिरने का शौक बढ़ता ही जा रहा है। भारत में घूमने के लिए कई जगहें हैं जो घूमने के लिहाज से सबसे बेहतरीन है। जब ट्रिप का प्लान कर रहे हैं, तो उत्तराखंड और हिमाचल का नाम पहले आता है। अब नैनीताल, मसूरी या ऋषिकेश घूमकर बोर ही हो गए हैं।

धीरे-धीरे लोगों की पसंद औली बनती जा रही है। फरवरी का महीना शुरू हो गया है और बीते दिनों में औली में टेंपरेचर माइनस में था। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि आप ऑली के किन जगहों को एक्सप्लोर कर सकती हैं और यहां किन-किन चीजों को एंजॉय कर सकती है।

औली रोपवे

भारत के सबसे लंबे और ऊंचे रोपवे में गिनती औली की होती है। यह जोशीमठ से औली तक फैला हुआ है। रोपवे में बैठते ही केवल बर्फ से ढकी ढलानें और हिमालय की चोटियां साफ दिखाई देती है। माइनस तापमान में ये राइड थोड़ी ठंडी जरुर लगेगी, यहां नजारा बेहद ही खूबसूरत होता है जिससे आपकी ट्रिप यादगार बन जाएगी।

औली आर्टिफिशियल लेक

ये लेक औली के स्की रिजॉर्ट के नजदीक बना हुआ है। चारों तरफ बर्फ और बीच में ये सब देखकर मन को बहुत सुकून मिलेगा। यहां का सुबह या सनसेट का नजारा काफी खूबसूरत होता है। ठंड के मौसम में ये जगह बेहद ही खूबसूरत मानी जाती है। इस मौसम में यह जगह फोटोग्राफी के लिए बेहद शानदार है।

गुरसो बुग्याल

गुरसो बुग्याल गर्मियों में हरी-भरी वादियों के लिए जाना जाता है जबकि सर्दियों में यह पूरा क्षेत्र बर्फ की सफेद चादर से ढक जाता है। यहां पहुंचने के लिए ट्रेकिंग करनी पड़ती है, इसलिए माइनस तापमान में गर्म कपड़े पहनना बेहद जरूरी है। हालांकि, जब आप यहां पहुंचते हैं और प्राकृतिक नजारों को देखते हैं, तो सारी थकान अपने आप दूर हो जाती है।

चत्रकुंड

यह जगह बेहद ही खूबसूरत है। औली से कुछ किलोमीटर दूरी पर चत्रकुंड नाम की एक छोटी सी झील है। यहां पर आपको काफी शांति मिलेगी।

औली में क्या-क्या कर सकते हैं

- भारत का स्कीइंग हब औली को कहा जाता है। सर्दियों में जब बर्फ जम जाती है, यहां पर स्कीइंग करने का असली मजा आता है।
- एडवेंचर लवर को बर्फ ट्रेकिंग और खुले आसमान के नीचे कैंपिंग भी कर सकती हैं।
- इसके साथ ही चेयर लिफ्ट भी जरुर ट्राई करें।
- जिन लोगों को एडवेंचर पसंद है, वो लोग स्नोबोर्डिंग कर सकते हैं।

ब्यूटी / फैशन

वैलेंटाइन वीक पर पाएं ट्रेंडिंग कोरियन ग्लास स्किन, ये घरेलू उपाय देगा इंस्टेंट ग्लो

वैलेंटाइन वीक 2026 में कोरियन ग्लास स्किन पाने के लिए महंगे प्रोडक्ट्स की जगह घर पर 'राइस वॉटर थेरेपी' अपनाएं। यह आसान घरेलू नुस्खा त्वचा को गहराई से साफ कर नेचुरल ग्लो देता है, जानिए इसे बनाने और इस्तेमाल करने का सही तरीका।

फरवरी का महीना चल रहा है और कुछ ही दिनों में वैलेंटाइन वीक शुरू हो जाएगा। ये पूरा हफ्ता प्यार के नाम के लिए जाना जाता है। इस समय हर एक लड़की को सबसे खूबसूरत दिखना है। अगर आप महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने के बजाय कुछ घरेलू नुस्खे ट्राई कर सकती हैं। इससे आपको नेचुरली ग्लोइंग त्वचा मिलेगी। आजकल ज्यादातर लोग डङ्गशींल्ल ॠ्ंरर ॅल्ल पाने की ख्वाहिश रख रहे हैं। यदि आप बिना ज्यादा पैसे खर्च किए कोरियन जैसी ग्लास स्किन पाना चाहती हैं, तो आपके किचन में रखा एक सिंपल सा उपाय काम आएगा। आप घर पर ही करें Rice Water Therapy आइए आपको बताते हैं इसका कैसे इस्तेमाल करें।

Rice Water Therapy क्या है?

Rice Water Therapy में चावल धोने या भिगोने के बाद बचा हुआ पानी चेहरे पर इस्तेमाल किया जाता है। यह पानी त्वचा की गहराई से सफाई करता है और स्किन को प्राकृतिक रूप से साफ व मुलायम बनाता है। इसके नियमित उपयोग से चेहरा तरोताजा दिखाई देता है और त्वचा में नेचुरल ग्लो आता है।

Rice Water कैसे तैयार करें?

- सबसे पहले आप दो चम्मच कच्चे चावल लें।
- फिर इन्हें साफ पानी से अच्छी तरह से धो लें।
- इसके बाद चावल को एक कप पानी में कम से कम आधे घंटे के लिए कम भिगो दें।
- फिर इस पानी को छान लें। यही पानी Rice aÔter है, जिसे आप अपने चेहरे पर इस्तेमाल कर सकती हैं।

Rice Water का कैसे करें इस्तेमाल?

- इसके लिए सबसे पहले आप चेहरे को फेस वॉश से साफ कर लें।
- इसके बाद कॉटन पैड की मदद से Rice Water को चेहरे और गर्दन पर लगाएं।
- फिर करीब 15 मिनट बाद सादे पानी से चेहरे को धो लें।
- आप चाहें तो इसे रात में भी लगा सकती हैं।
- यदि आपकी स्किन सेंसिटिव है, तो पहले पैच टेस्ट जरुर करें।

Rice Water से क्या फायदे मिल सकते हैं?

Rice Water स्किन को हाइड्रेट रखने में मदद करता है। इससे चेहरे पर चिपचिपाहट नहीं आती है और स्किन भर सॉफ्ट लगती है। यदि आप नियमित रुप से इसका इस्तेमाल करती हैं तो स्किन टोन थोड़ी क्लीन दिख सकती है। इसके साथ ही आप नेचुरल ग्लो आता है।

वैलेंटाइन वीक से पहले कब से शुरू करें?

यदि आप वैलेंटाइन वीक में कोरियन ग्लास स्किन पाना चाहती हैं, तो आज से ही Rice Water Therapy शुरू कर सकती हैं। इसका इस्तेमाल आप हफ्ते में तीन से चार बार कर सकती हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

- जब भी Rice Water यूज करें तो हर बार फ्रेश इस्तेमाल करें।
- चावल के पानी को ज्यादा दिनों तक स्टोर करके न रखें।

यदि आप चेहरे पर जलन या खुजली है, तो इसका इस्तेमाल न करें।

मेट्रो स्पोर्ट्स इंजरी क्लिनिक का नोएडा में शुभारंभ

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। खेल और फिटनेस के प्रति बढ़ते रुझान के साथ खेल से जुड़ी चोटों के मामलों में भी लगातार वृद्धि हो रही है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मेट्रो ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स ने नोएडा में मेट्रो स्पोर्ट्स इंजरी क्लिनिक का शुभारंभ किया है। यह क्लिनिक खेल चोटों के विशेषज्ञ-नेतृत्व वाले उपचार, उन्नत पुनर्वास और सुरक्षित खेल-वापसी पर केंद्रित एक समर्पित सुविधा है। मेट्रो स्पोर्ट्स इंजरी क्लिनिक में खिलाड़ियों और फिटनेस प्रेमियों के लिए एकीकृत ऑथोर्पेडिक मूल्यांकन, आधुनिक इमेजिंग, आर्थ्रोस्कोपी-समर्थित देखभाल, संरचित पुनर्वास और प्रदर्शन सुधार कार्यक्रम उपलब्ध कराए जाते हैं, जिससे मरीज आत्मविश्वास के साथ दोबारा खेल में लौट सकें। इस क्लिनिक का नेतृत्व डॉ. कृष्ण के. गुप्ता, डायरेक्टर मेट्रो स्पोर्ट्स इंजरी क्लिनिक, सीनियर कंसलटेंट , आथोर्पेडिक्स एंड स्पोर्ट्स इंजरी क्लिनिक तथा डॉ. दिनेश कुमार समुझ, सीनियर कंसलटेंट एवं विभागाध्यक्ष फिजियोथेरेपी, रिहैबिलिटेशन एंड स्पोर्ट्स इंजरी ने किया।क्लिनिक में लिगामेंट व मांसपेशियों की चोटें, एसीएल टियर, घुटने व कंधे की खेल चोटें, ओवरयूज इंजरी, आर्थ्रोस्कोपी आधारित उपचार और व्यक्तिगत पुनर्वास कार्यक्रम जैसी सेवाएं उपलब्ध हैं।

घरेलू नुस्खे

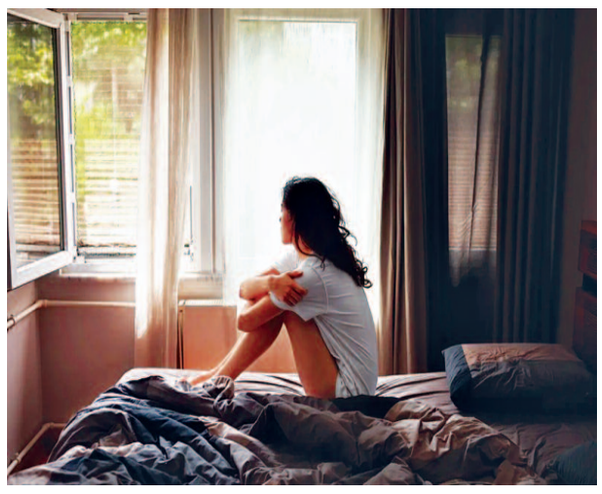

40 के बाद महिलाएं न करें सेहत से खिलवाड़, ये 5 टेस्ट बचाएंगे गंभीर बीमारियों से

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में महिलाएं अपनी सेहत का ध्यान रखना लगभग भूल जाती हैं। ऐसे में स्वस्थ रहने के लिए जरूरी हो जाता है कि महिलाओं को समय रहते कुछ मेडिकल टेस्ट जरूर करवा लेने चाहिए।

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में महिलाएं अपनी सेहत का ध्यान रखना लगभग भूल जाती हैं। महिलाएं घर, ऑफिस और बच्चों के चक्कर में अपनी सेहत को नजरअंदाज कर देती हैं। ऐसे में उनको कई बीमारियां घेर लेती हैं, जिसका पता उनको तब चलता है, जब यह बीमारियां काफी बढ़ चुकी होती हैं। एक रिसर्च के मुताबिक 25% महिलाएं किसी न किसी तरह की सेहत संबंधी समस्याओं का सामना कर रही हैं।

ऐसे में स्वस्थ रहने के लिए जरूरी हो जाता है कि महिलाओं को समय रहते कुछ मेडिकल टेस्ट जरूर करवा लेने चाहिए। जिससे समय रहते बीमारियों का पता चल जाता है और इससे इलाज में भी आसानी होती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे जरूरी मेडिकल टेस्ट के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे हर महिला को समय-समय पर 40 साल के बाद कराते रहना चाहिए।

कंप्लीट बॉडी चेकअप

हर साल 40 साल से ज्यादा की महिलाओं को कंप्लीट बॉडी चेकअप कराना चाहिए। इस चेकअप में लिपिड प्रोफाइल, ब्लड प्रेशर चेकअप, बॉडी मास इंडेक्स, हीमोग्लोबिन और कई तरह की जांच आती है।

बोन डेंसिटी टेस्ट

अक्सर 40 साल की उम्र के बाद महिलाओं की हड्डियां कमजोर होने लग जाती हैं। ऐसे में बोन डेंसिटी टेस्ट आपको ऑस्टियोपोरोसिस या फिर हड्डियों से जुड़ी बीमारियों से बचाने में मदद करता है।

पैप स्मीयर टेस्ट

महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर का खतरा अधिक होता है। ऐसे में हर 40 साल से अधिक उम्र की महिलाओं को पैप स्मीयर टेस्ट जरूर करवाना चाहिए। इस टेस्ट से आप सर्वाइकल कैंसर का जल्द पता लगा सकते हैं, जिससे इलाज में आसानी होती है।

कंप्लीट ब्लड काउंट

हर महिला को 40 की उम्र के बाद कंप्लीट ब्लड काउंट टेस्ट जरूर कराना चाहिए। यह टेस्ट शरीर में खून की कमी, इंफेक्शन और अन्य कुछ खून से जुड़ी बीमारियों का पता लगाने में मदद करता है।

थायराइड फंक्शन टेस्ट

महिलाओं में 40 की उम्र के बाद थायराइड की समस्या होना कॉमन है। ऐसे में हर महिला को 40 साल की उम्र के बाद थायराइड का टेस्ट जरूर करवा लेना चाहिए। जिससे कि बाद में ज्यादा परेशानी न हो।

लंबित आवास मामलों के निस्तारण के लिए एकमुश्त समाधान योजना लागू करें: सीएम योगी

सभी पात्र आवंटियों तक ओटीएस योजना की जानकारी पहुंचे, मुख्यमंत्री ने व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए

सीएम के निर्देश

- लंबित देयों का मानवीय व न्यायसंगत समाधान सुनिश्चित करें
- डिफॉल्टर मामलों के निस्तारण में गति लाएं, प्रक्रिया को पूरी तरह यूजर-फ्रेंडली बनाएं

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को आवास एवं शहरी नियोजन विभाग की बैठक में लंबित आवासीय और व्यावसायिक आवंटनों के त्वरित निस्तारण के लिए एक नई 'एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस-2026)' लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्षों से लंबित देयों और विवादित मामलों के कारण न केवल योजनाओं की प्रगति प्रभावित होती है, बल्कि आम नागरिकों को भी अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ता है।

सरकार का उद्देश्य ऐसी व्यवस्था लागू करना है, जिसमें समाधान तेज, पारदर्शी और सभी के लिए व्यावहारिक हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की किसी भी योजना में लंबित भुगतान या विवादित आवंटन राज्य की विकास गति को धीमा करते हैं। इसलिए आवास विभाग को ऐसी समाधान-प्रधान व्यवस्था लागू करनी चाहिए, जिससे विभाग को आवश्यक राजस्व प्राप्त हो और आवंटियों को भी राहत मिले।

उन्होंने कहा कि यह योजना जन-केंद्रित होनी चाहिए, जिसमें हर वास्तविक आवंटी को स्पष्ट और सरल विकल्प उपलब्ध हों। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2020 में लागू की गई ओटीएस-2020 योजना से बड़ी संख्या में मामलों का निस्तारण हुआ था, लेकिन कोविड-19 के कारण कई आवंटी अंतिम भुगतान नहीं कर पाए। विभाग द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों में प्रदेश के विभिन्न आवासीय और व्यावसायिक परिसरों में मौजूद ऐसे सभी डिफॉल्ट मामलों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ओटीएस-2026 योजना को अधिक व्यावहारिक और लाभकारी स्वरूप दिया जाए। एकमुश्त भुगतान करने वाले आवंटियों को देयों पर उपयुक्त छूट दी जाए। साथ ही, किस्तों में भुगतान की सुविधा हो। उन्होंने कहा कि योजना के प्रावधानों को अंतिम रूप देते समय यह ध्यान रहे कि योजना के मूल में आम आदमी को राहत देने का ही भाव निहित हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि विभाग द्वारा प्रत्येक आवेदन का निस्तारण निर्धारित समयसीमा में कर दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई योजना लागू होने से हजारों आवंटियों को राहत मिलेगी और विभाग को राजस्व भी प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री ने विभाग को निर्देश दिया कि योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार की विशेष व्यवस्था की जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग इससे अवगत हो सकें।

उन्होंने कहा, 'एकमुश्त समाधान योजना' के बारे में आम जनता के बीच सक्रिय रूप से जानकारी पहुंचाई जाए, ताकि सभी पात्र लोग इसका लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि योजना की संपूर्ण प्रक्रिया ऑनलाइन, पारदर्शी और उपयोगकर्ता-अनुकूल होनी चाहिए।

सीता मइया के दिव्य चरित का ज्ञान करायेगी वैदेही आर्ट गैलरी: मुख्यमंत्री

अयोध्या में वरिष्ठ भवन परिसर में तैयार होगी 'वैदेही आर्ट गैलरी'

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीअयोध्या धाम में माता सीता के जीवन-चरित पर केंद्रित 'वैदेही आर्ट गैलरी' की स्थापना के निर्देश दिए हैं। बुधवार को आवास एवं शहरी नियोजन विभाग की बैठक में उन्होंने कहा कि सीता मइया भारतीय संस्कृति, मयार्दा और नैतिक आदर्शों की अनुपम प्रेरणा हैं, और नई पीढ़ी को उनके उज्ज्वल चरित्र से गहराई से परिचित कराना समय की आवश्यकता है।

आर्ट गैलरी की परिकल्पना साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अत्याधुनिक गैलरी केवल एक कला-संग्रहालय न होकर, सीता माता के जीवन, त्याग, करुणा, मयार्दा, धैर्य और शक्ति का आधुनिक तकनीक के माध्यम से पुनर्पाठ प्रस्तुत करने वाली एक जीवंत सांस्कृतिक अनुभव-स्थली होनी चाहिए।

उन्होंने निर्देश दिया कि इस गैलरी की कथा-वस्तु, डिजाइन, विजुअल भाषा, कला और तकनीक सहित सभी आयाम इस भावना को प्रकट करे कि हम एक दिव्य विरासत का पुनर्पाठ कर रहे हैं, जिसे नई पीढ़ी के सामने प्रेरणास्रोत के रूप में स्थापित किया जाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैदेही आर्ट गैलरी की मूल भावना यही हो कि आगंतुक सीता माता के जीवन-संदेश को केवल देखें नहीं, बल्कि उसे अनुभव करें, समझें और आत्मसात करें। योध्या विकास प्राधिकरण के साथ संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के निकट वशिष्ठ भवन परिसर में विकसित की जा सकती, जहां प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि इस गैलरी का विकास अयोध्या के वैश्विक सांस्कृतिक नगर के रूप में उभरने के प्रयासों का एक महत्वपूर्ण चरण होगा।

मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से निर्देश दिया कि मिथिला की संस्कृति, लोकपरंपरा और कला के विविध आयामों को गैलरी में प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाए।

जिम जिहाद धर्मांतरण के पूर्व में पंजीकृत दो अलग-अलग अभियोगों से सम्बन्धित आठवां अभियुक्त गिरफ्तार

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

मीरजापुर। जिले में लव जिहाद जिम धर्मांतरण सम्बन्धित पूर्व में थाना कोतवाली देहात पर धर्मांतरण से सम्बन्धित पंजीकृत दो अभियोगों में अबतक 7 अभियुक्तों की गिरफ्तारी की जा चुकी है । इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन एवं नगर व क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में 04.02.2026 को थाना कोतवाली देहात पुलिस टीम द्वारा साक्ष्य संकलन व मुखबिर के सूचना के आधार पर धर्मांतरण के अभियोग से सम्बन्धित 8वां अभियुक्त मौलवी खलीलुर्रहमान पुत्र अजीजुर्रहमान निवासी भूदेव की गली भटवा के पोखरी थाना कोतवाली कटरा जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया ।

गिरफ्तार अभियुक्त मौलवी खलीलुर्रहमान उपरोक्त इस प्रकरण से सम्बन्धित अभियुक्तों के अनवरत सम्पर्क में था तथा संगठित रूप से अभयुक्तों के साथ मिलकर हिन्दू लड़कियों को वशीभूत करके धर्मांतरण कराने का कार्य करता था । उक्त गिरफ्तारी के सम्बन्ध में थाना को0देहात पुलिस द्वारा नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्त को न्यायालय के द्वारा जेल भेजा गया ।

पूछताछ विवरण के क्रम में बताया गया है कि अभियुक्त द्वारा बताया गया कि वर्ष 2023 में थाना लोहता जनपद वाराणसी में एक हिन्दू लड़की का धर्म परिवर्तन कराकर मुस्लिम लड़के से निकाह कराया था । जिसके सम्बन्ध में थाना लोहत जनपद वाराणसी पर अभियोग पंजीकृत है ।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम- निरीक्षक अमित मिश्रा, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली देहात मय पुलिस टीम ।

स्किलिंग व योग्यता कभी खत्म नहीं होती: निवेदिता

प्लास्टिक उद्योग का सबसे बड़ा 'जॉब फेयर' आयोजित

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय प्लास्टिक उद्योग के विकास और कुशल कार्यबल को रोजगार के अवसरों से जोड़ने के उद्देश्य से, ऑल इंडिया प्लास्टिक मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एआईपीएमए) द्वारा देश की राजधानी नई दिल्ली में 'एआईपीएमए जॉब फेयर 2026' का सफल आयोजन किया गया। नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित इस मेले को भारतीय प्लास्टिक क्षेत्र का सबसे बड़ा वैश्विक रोजगार मेला माना जा रहा है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए रसायन एवं पेट्रोकेमिकल मंत्रालय की सचिव सुश्री निवेदिता शुक्ला वर्मा ने एआईपीएमए के इस कदम को 'स्वागत योग्य' बताया। उन्होंने कहा, 'यह सीआईपीईटी के छात्रों के लिए एक बड़ा सहारा है। स्किलिंग और योग्यता एक ऐसी चीज है जो कभी खत्म नहीं होती। यदि आप समय के साथ खुद को अपग्रेड नहीं करेंगे, तो पीछे छूट जाएंगे। यह एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है जिसे हमेशा प्राथमिकता दी जानी चाहिए।' इस अवसर पर रसायन एवं पेट्रोकेमिकल मंत्रालय के संयुक्त सचिव दीपक मिश्रा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुश्री मर्सी एपाओ ने इस आयोजन को 'सहयोग का आदर्श मॉडल' बताया। उन्होंने कहा कि जहाँ सरकार, अकादमी (सीआईपीईटी) और उद्योग (एआईपीएमए) एक मंच पर हों, वहां युवाओं का भविष्य सुरक्षित है। वहीं, सीआईपीईटी के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) शिशिर सिन्हा ने इसे 'समय की पुकार' बताते हुए कहा कि एक ही छत के नीचे 'ड्रीम जॉब' पाने का अवसर छात्रों और संस्थानों, दोनों के लिए उत्साहजनक है।

एआईपीएमए गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन अरविंद मेहता ने जानकारी दी कि इस वर्ष एक ही दिन में 450 से अधिक लाइव साक्षात्कार (इंटरव्यू) संपन्न हुए। जॉब फेयर के चेयरमैन किशोर संपत ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि 30 से अधिक कंपनियों के पास लगभग 400 जॉब सीकर्स पहुंचे हैं, जो उद्योग की तीव्र वृद्धि का प्रमाण है। एआईपीएमए के अध्यक्ष सुनील शाह के नेतृत्व में आयोजित इस फेयर में 31 प्रमुख नियोक्ताओं ने भागीदारी की, जिनमें संयुक्त अरब अमीरात और नेपाल की चार अंतरराष्ट्रीय कंपनियां भी शामिल थीं। श्री शाह ने कहा, 'उद्योग की अक्सर यह शिकायत रहती है कि उन्हें सही उम्मीदवार नहीं मिलते, जबकि युवा रोजगार की तलाश में हैं। हमारा कर्तव्य इन दोनों को सही स्थान पर मिलाना है।' उल्लेखनीय है कि वर्ष 2013 से लगातार ऐसे मेलों का आयोजन करने वाली एआईपीएमए देश की एकमात्र संस्था है। इस मेले में प्लास्टिक इंजीनियर, मोल्ड डिजाइनर और मेंटेनेंस इंजीनियर से लेकर रिसर्च एवं मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स तक ने हिस्सा लिया। विशेषज्ञों का अनुमान है कि लगभग 70 प्रतिशत नियोक्ता और 50 प्रतिशत उम्मीदवार प्रारंभिक दौर में ही सफल हो जाएंगे। एआईपीएमए के उपाध्यक्ष राजू देसाई ने इस अवसर पर आगामी 'प्लास्टइंडिया इंटरनेशनल एग्जीबिशन' की घोषणा भी की, जो कल से 'भारत मंडपम' में शुरू हो रही है। यह जॉब फेयर न केवल कुशल जनशक्ति की कमी को दूर करने में सहायक सिद्ध होगा, बल्कि 'मेक इन इंडिया' मिशन को सशक्त बनाते हुए राष्ट्रीय विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

महर्षि परशुराम पब्लिक स्कूल तिरपडी द्वारा शैक्षिक भ्रमण का आयोजन

सुल्तानपुर (स्वास्तिक सहारा)। महर्षि परशुराम पब्लिक स्कूल द्वारा सभी गांव के विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया । यह भ्रमण सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान (हरियाणा) के लिए निर्धारित हुआ। इस शैक्षिक यात्रा का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्राकृतिक पर्यावरण, जैव विविधता तथा पक्षी जीवन के प्रति जागरूक करना था। जिन विद्यार्थियों ने इस भ्रमण में भाग लिया उनके नाम इस प्रकार है लताशा, लवली, खुशी, दिव्या, वंदना, भूमिका, वाणी, साक्षी, मिशिता, खुशी, सोनाक्षी, जोया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान में पाए जाने वाले विभिन्न प्रवासी व स्थानीय पक्षियों, वन्य जीवन तथा पर्यावरण संरक्षण के महत्व की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों की सुरक्षा व अनुशासन के लिए विद्यालय के अनुभवी शिक्षक साथ थे। विद्यालय प्रबंधन द्वारा यात्रा, भोजन एवं आवश्यक व्यवस्थाओं का समुचित प्रबंध किया गया था। सभी विद्यार्थियों से समय पर विद्यालय पहुँचने तथा विद्यालय के नियमों का पालन करने पर हम उनका आभार व्यक्त करते है। महर्षि परशुराम विद्यालय के संयोजक श्री संजय जी, श्रीमती प्रभा उपाध्याय और अध्यापिका सुश्री प्रियंका, अध्यापक आदर्श उपाध्याय, आशीर्वाद उपाध्याय, सहायिका प्रेमलता, और प्रशासन को विश्वास था कि यह शैक्षिक भ्रमण विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होगा।

शहर को स्वच्छ बनाने के लिए प्राधिकरण गंभीर, तीन सफाई कर्मियों की सेवाएं समाप्त

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। नोएडा को स्वच्छ बनाने को लेकर नोएडा प्राधिकरण गंभीर है। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ के आदेश पर विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर सफाई अभियान जारी हैं। वही आज सफाई मे लापरवाही पाए जाने तथा जगह–जगह कूड़े के ढेर मिलने पर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ कृष्णा करुणेश ने सख्त रुख अपनाते हुए सफाई करने वाली कंपनी पर 50 हजार रुपये का जुमार्ना लगा दिया। इसके अलावा तीन सफाई कर्मियों तथा सफाई सुपरवाइजर कपिल की सेवाएं समाप्त कर दी गई है ।वहीं जन स्वास्थ्य विभाग खंड द्वितीय के सहायक परियोजना अभियंता तथा अवर अभियंता को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया। बताते चले कि सीईओ कृष्णा करुणेश के निर्देश व स्वास्थ्य विभाग के मार्गदर्शन में ग्रामीण व सेक्टरों में स्वच्छता अभियान लगातार चल रहा हैं। इसी अभियान के तहत नोएडा प्राधिकरण के शीर्ष अफसरों ने आज सेक्टर 81 में स्थित भूड़ा तथा नगला चरणदास गांव में जाकर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान जगह कूड़े के ढेर व नालियों में कचरा दिखाई देने पर नाराजगी जताते हुए नोएडा प्राधिकरण के शीर्ष अफसर ने सफाई करने वाले संविदा कंपनी मैसर्स एग्जाम राघव सिक्योरिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड पर 50000 का जुमार्ना लगा दिया वहीं तीन सफाई कर्मियों तथा एक सफाई सुपरवाइजर की सेवाएं समाप्त कर दी गई है। इस दौरान अवर अभियंता तथा सहायक परियोजना अभियंता को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। इस कारवाई को लेकर जन स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा हुआ है।

उप जिलाधिकारी के विवाह के उपलक्ष्य में मतदाताओं को बुथ लेवल अधिकारी ने बांटा मिष्ठान्न

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

मिजार्पुर। तहसील मड़िहान के उप जिलाधिकारी श्री अनेग सिंह के वैवाहिक जीवन में प्रवेश करने के उपलक्ष्य में कंपोजिट विद्यालय धंसिरिया बूथ संख्या 196, 197, 198 के बीएलओ एवं उनके सहायकों द्वारा मतदाताओं में मिष्ठान वितरण किया गया। कार्यक्रम का आयोजन आयोजन कर बधाई संदेश भेजा गया इस अवसर पर बृजेश कुमार सिंह प्रभारी प्रधानाध्यापक, संतोष कुमार पाठक, सबल सिंह, रामदुलारे बूथ लेवल अधिकारी सहायक अध्यापक दिनकर सिंह कृष्ण कुमार सिंह, रविंद्रनाथ, राजेश कुमार सिंह, श्वेता सिंह, रेखा सिंह, गायत्री सिंह, गुप्तेश सिंह, विपिन कुमार सिंह, देवशरण सिंह, जय सिंह तथा विद्यालय की रसोइया एवं मतदाता सम्मिलित रहे।

सीएम योगी का बाल प्रेम: जनसेवा, संवेदना और सुशासन की जीवंत तस्वीर प्रस्तुत करते हैं मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री के समक्ष पहुंच कर बालहठ के साथ निश्छल मन से अपनी बात रखते हैं प्रदेश भर के बच्चे

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

वात्सल्य

- बच्चों के सामने झलक पड़ता है सीएम योगी का कोमल हृदय, समाज को जोड़ती है सीएम की बच्चों से यह दोस्ती
- बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा व सुरक्षा पर सीएम योगी का है विशेष फोकस

लखनऊ। नर्सरी में एडमिशन कराने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पास पहुंची मासूम बच्ची की जिद हो या चॉकलेट की मांग करने वाले बच्चों की हठ। जिन मुख्यमंत्री का नाम सुनकर अपराधी कांप उठते हैं, बच्चे उन्हीं से मिलकर सहजता से अपनी जिद मनवा लेते हैं। कहते हैं, 'बच्चे मन के सच्चे', वे अपने दिल की भावना को अत्यंत निश्छलता से प्रकट कर देते हैं, यही भाव उस समय सामने आया, जब सीएम योगी आदित्यनाथ को देखते ही एक छोटी बच्ची ने उन्हें सैल्यूट किया। सीएम ने भी मुस्कुराते हुए बच्ची को खूब मन लगाकर पढ़ने के लिए कहा। उनका यह बाल प्रेम उनके कोमल हृदय व सर्वसुलभ होने के साथ-साथ जनसेवा, संवेदना व सुशासन की जीवंत तस्वीर प्रस्तुत करता है। मुख्यमंत्री के बच्चों से जुड़ाव और उनके साथ भावनात्मक संवाद के कई दृश्य समय-समय पर सामने आते रहते हैं। विगत सोमवार को 'जनता दर्शन' में मां के साथ आई बच्ची अनाबी अली से सीएम का संवाद इन दिनों चर्चा में है। अपने एडमिशन के लिए जिद, फिर एबीसीडी व कविता सुनाकर अनाबी ने सीएम का दिल जीत लिया। वहीं मकर संक्रांति पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गोरखनाथ मंदिर में एक बच्चे से 'और क्या चाहिए' पूछना और उसका मासूम जवाब सुनकर खिलखिलाकर हंसना भी उनके बालप्रेम को प्रकट करता है। बच्चों से अत्यंत आत्मीयता से संवाद और उनके भविष्य को लेकर त्वरित निर्णय मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता को प्रदर्शित करते हैं। बीते दिनों जनता दर्शन में दो साल की अनन्या से संवाद भी लोगों के मन को छू गया। इसी तरह 31 दिसंबर को मेजर की बेटी अंजना भट्ट ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर अपने मकान पर कब्जे की शिकायत की, जिस पर मुख्यमंत्री ने 24 घंटे के भीतर न सिर्फ मकान को कब्जा मुक्त कराया, बल्कि आरोपियों पर एफआईआर व तत्काल गिरफ्तारी भी कराई। यह मामला सीएम की जन समस्याओं के प्रति गंभीरता को प्रकट करते हुए स्पष्ट संदेश देता है कि वे कानून व्यवस्था, बच्चों, महिलाओं और कमजोर वर्गों से जुड़े मामलों का समाधान कराने में तनिक भी विलंब नहीं करते।

कानपुर की मूक-बधिर युवती खुशी गुप्ता की कहानी भी इन दिनों हर किसी की जुबां पर है। मुख्यमंत्री से मिलने की उसकी जिद और अकेले पैदल चलकर लखनऊ पहुंचने की जानकारी जब सीएम योगी आदित्यनाथ को मिली तो उन्होंने उसे बुलाकर उसके बनाए चित्रों को स्वीकार किया और उसके शिक्षित-सुरक्षित भविष्य का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री के अपनत्व से भाव-विभोर खुशी की अनकही भावनाओं ने 25 करोड़ प्रदेशवासियों के बीच मुख्यमंत्री की 'प्रदेश ही परिवार' धारणा की विश्वसनीय तस्वीर पेश की। जनता दर्शन के जरिए लखनऊ की अनाबी अली, कानपुर की मायरा, गोरखपुर की पंखुड़ी और मुरादाबाद की वाची का स्कूल में एडमिशन कराना भी सीएम योगी की संवेदनशीलता का हिस्सा है। कानपुर की नन्ही मायरा ने कहा था कि मैं बड़ी होकर डॉक्टर बनना चाहती हूं। इस पर सीएम ने तत्काल उसका प्रवेश कराने का निर्देश दिया। वाची ने कहा कि मैं पढ़ना चाहती हूं, सीएम ने उसका भी प्रवेश कराया। गोरखपुर की पंखुड़ी की फीस माफ कराने के साथ ही उसे पुनः विद्यालय भेजना भी सुनिश्चित कराया।

वृद्ध मां के दर्द से द्रवित सीएम ने कैंसर पीड़ित बेटे को भिजवाया अस्पताल

बीते सितंबर में 'जनता दर्शन' में कानपुर की रायपुरवा निवासी एक वृद्ध मां अपने कैंसर पीड़ित बेटे का दर्द लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पास पहुंची थीं। उनकी तकलीफ देखकर सीएम द्रवित हो गए और कैंसर पीड़ित बेटे को एंबुलेंस से सीधे कल्याण सिंह सुपर स्पेशियिलिटी कैंसर इंस्टीट्यूट भिजवाकर उसका इलाज प्रारंभ कराया। ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बाल प्रेम, जनसेवा, संवेदना व सुशासन की जीवंत तस्वीर प्रस्तुत करते हैं।

गणतंत्र दिवस परेड में भी सीएम के पास पहुंच गए बच्चे

26 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड में आए बच्चे सीधे सीएम योगी के पास पहुंच गए। सभी ने सीएम के साथ फोटो खिंचवाई, उनसे बातचीत की। सीएम ने उन्हें दुलारा और एक नन्ही बच्ची को गोद में लेकर अपना वात्सल्य भाव प्रकट किया।